हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 16 नवंबर 2025

जांच के लिए भेजे गए नेत्र शिविर में उपयोग हुई दवा के सैंपल, चोट लगने से गई थी महिला की आंख की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नेत्र शिविर में ऑपरेशन के बाद रोशनी जाने के मामले की जांच करने वाली टीम ने वहां उपयोग की गई दवाओं के सैंपल जांच के लिए भेजा है। जांच के दौरान ओटी में संक्रमण नहीं मिला है, मगर सर्जरी के दौरान लापरवाही से इनकार नहीं किया जा रहा है। जांच में यह भी पता चला है कि रोशनी गंवाने वाली महिला सर्जरी के बाद चोटिल हुई थी। आंबेडकर अस्पताल में दान में मिला कार्निया उसेप्रत्यारोपित किया गया। बीजापुर नेत्रकांड की जांच के बाद टीम शुक्रवार को लौट आई। कमेटी अपनी रिपोर्ट आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डा. प्रियंका शुक्ला को देगी, जिसके आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में सर्जरी में मानवीय त्रुटि होने की आशंका जताई जा रही है। कमेटी ने जिला अस्पताल के उस ऑपरेशन थियेटर की जांच की, जहां इन मरीजों का ऑपरेशन हुआ था। वहां संक्रमण की संभावना नहीं मिली है। एक संदेह के आधार पर वहां उपयोग में लाई गई दवा की क्वालिटी जांच के लिए भेजी गई है। जांच कमेटी से जुड़े सदस्यों ने वहां ऑपरेशन कराने वाले अन्य मरीजों के साथ उनसे जुड़े परिजनों और अस्पताल लाने वाले मितानिनों से बात की। दावा किया जा रहा है कि जिस महिला की आंखों की रोशनी गई थी, वह दुर्घटना का शिकार हुई थी और उसे चोट लगी थी। आंबेडकर अस्पताल में जांच के दौरान जांच के बाद उसकी आंख खराब होने की बात सामने आई थी। महिला को वह कार्निया प्रत्यारोपित कर दिया गया जो उन्हें दान में मिला था। आंबेडकर अस्पताल में इलाज के लिए मौजूद सभी मरीजों की आंखों की रोशनी अब खतरे से बाहर बताई गई है।

- ओटी में संक्रमण नहीं, सर्जरी के दौरान लापरवाही की आशंका से भी इंकार नहीं

रिपोर्ट सौंपी जाएगी

जांच के दौरान विभिन्न पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया गया है। इस आधार पर रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

- डॉ. निधि अग्रीवाल, राज्य नोडल अफसर अंधत्व निवारण कार्यक्रम

फालोअप में पता चला था

शिविर के बाद नेत्र सहायक दूसरी बार मरीजों का फालोअप लेने जब उनके घर तक पहुंचे थे, तब आंखों में इंफेक्शन का पता चला था। उस दौरान दो मरीजों ने सूजन के साथ आंखों में दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद शिविर में आंखों से मोतियाबिंद हटाने का लाभ लेने वाले सभी 14 लोगों को बीजापुर अस्पताल बुलाया गया। जांच के दौरान 9 लोगों ने आंखों के मामले में विभिन्न तरह की शिकायत की। दो की आंखों में गंभीर संक्रमण था और अन्य की समस्या भी बढ़ने की आशंका थी, जिसके आधार पर उन्हें आंबेडकर अस्पताल रेफर किया गया था।

मेडिकल कालेजों में एनआरआई सीटों को मैनेजमेंट में बदलने के खिलाफ याचिका हाईकोर्ट से खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने माना है कि राज्य मेडिकल कॉलेजों में सीटों का निर्धारण नियमों के अनुरूप हुआ था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने नया रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की याचिका खारिज कर दी है। याचिका में कॉलेज प्रबंधन ने सभी एनआरआई कोटे की सीटों को मैनेजमेंट में बदलने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

दरअसल रावतपुरा यूनिवर्सिटी ने साल 2025-26 के लिए नीट-यूजी प्रक्रिया में शामिल होने और बची हुई सीटों के लिए अलग काउंसलिंग की अनुमति मांगी थी। नेशनल मेडिकल काउंसिल ने इसे सशर्त मंजूर करते हुए एमबीबीएस की 150 की जगह 100 सीटों की भर्ती की स्वीकृत की थी। याचिका में बताया गया कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद 9 अक्टूबर 2025 को पहली बार मॉप-अप राउंड में भाग लेने की अनुमति मिली। मॉप-अप सीट मैट्रिक्स में कॉलेज को 100 सीटें दी गईं, इसमें 43 सरकारी, 42 प्रबंधन और 15 सीटें एनआरआई कोटे की थीं। 11 नवंबर 2025 को लेकिन छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने नोटिस जारी कर सभी 15 एनआरआई सीटों को मैनेजमेंट कोटे में बदल दिया। इस आदेश को कॉलेज ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कॉलेज प्रबंधन ने याचिका में तर्क दिया कि यह कदम मनमाना है और नियमों का उल्लंघन है। कालेज की ओर से कहा गया कि सुनवाई का अवसर दिए बिना संस्थान की सीटें बदली गईं और सीटों का निर्धारण नियमों को दरकिनार कर किया गया है।

खाली सीटें ओपन कैटेगरी में ली गईं

जवाब में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि नियमों के अनुसार एनआरआई कोटे में प्रवेश की अंतिम तारीख राज्य की प्रवेश की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले होती है। यानी एनआरआई सीटों पर 10 नवंबर 2025 तक ही प्रवेश होना था। चूंकि 10 नवंबर तक एनआरआई कोटे से प्रवेश पूरा नहीं हो पाया, इसलिए नियम के मुताबिक खाली सीटें ओपन कैटेगरी में जानी थीं, जिसे राज्य ने मैनेजमेंट कोटा के रूप में लागू किया।

11 साल से नहीं है पति-पत्नी के बीच कोई रिश्ता, तलाक की मंजूरी

बिलासपुर। पति-पत्नी के बीच 11 साल से अलगाव है और शारीरिक संबंध नहीं बना है। शारीरिक संबंधों के लिए प्रयास करने पर पत्नी अपने पति को आत्महत्या की धमकी देती है। लगातार अलगाव और शारीरिक संबंधों से दूरी को पति के प्रति मानसिक क्रूरता मानते हुए हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने तलाक की डिक्री को मंजूर कर लिया है। तलाक की डिक्री मंजूर करते हुए हाई कोर्ट ने दो महीने के भीतर पत्नी को बतौर स्थाई गुजारा भत्ता के रूप में 20 लाख रुपए देने का निर्देश याचिकाकर्ता पति को दिया है। अंबिकापुर निवासी व्यक्ति की शादी 30 मई 2009 को रायपुर निवासी महिला के साथ हिंदू रीति- रिवाजों से हुई थी। पति ने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(**i-a**) के तहत तलाक की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। पति ने पत्नी पर आरोप लगाया था कि शादी के एक महीने बाद ही वह मायके चली गई और वैवाहिक दायित्व निभाने से इनकार कर दिया। 2013 में अंबिकापुर ट्रांसफर के बाद पत्नी कुछ दिन साथ रही, लेकिन शारीरिक संबंध बनाने से मना कर दिया। यह भी कहा कि शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की तो वह आत्महत्या कर लेगी। मई 2014 से वह मायके में रह रही है और उसके लगातार प्रयासों के बावजूद वापस नहीं लौटी। केस दर्ज होने के बाद उसने कभी पति से संपर्क नहीं किया और न ही किसी खुशी या दुख के अवसर पर उसके परिवार से मिली।

पत्नी का आरोपों से इनकार

पत्नी ने पति के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पति एक साध्वी के भक्त हैं और योग साधना में लीन रहने के कारण वैवाहिक संबंधों में रुचि नहीं रखते थे। उसने आरोप लगाया कि पति बच्चे नहीं चाहते थे। पति पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पत्नी ने पहले वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए अर्जी भी लगाई, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों के जवाब और रिकॉर्ड को देखते हुए पाया कि पति-पत्नी 11 साल से अलग रह रहे हैं। पत्नी ने क्रॉस एग्जामिनेशन में खुद स्वीकार किया कि वह अब पति के साथ वैवाहिक जीवन जारी नहीं रखना चाहती। कोर्ट ने कहा कि इतने लंबे अलगाव और संबंधों में लौटने से स्पष्ट इनकार को मानसिक क्रूरता माना जाएगा।

यौन शोषण के आरोपी आईएएस अधिकारी की याचिका खारिज

बिलासपुर। आईएएस जनक प्रसाद पाठक के खिलाफ एक महिला की शिकायत पर जांजगीर- चांपा में दुष्कर्म और एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था।आईएएस ने हाईकोर्ट में ट्रांसफर पिटीशन क्रिमिनल लगाई थी, इसमें अपने खिलाफ चल रहे मामले को जांजगीर- चांपा के स्पेशल कोर्ट से प्रदेश के किसी अन्य कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की थी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच में मामला सुनवाई के लिए आया, इस दौरान पाठक की तरफ से पैरवी करने के लिए कोई अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। न ही किसी ने मामले की तारीख आगे बढ़ाने की ही मांग की। इस आधार पर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने आदेश में लिखा है कि बार-बार बुलाने के बावजूद भी आवेदक के वकील उपस्थित नहीं हुए। ऐसा महसूस होता है कि आवेदक को मामले को आगे बढ़ाने में रुचि नहीं है।

राजधानी रायपुर में भाजपा का 8 किमी लंबा सरदार @150 यूनिटी मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी 8 किलोमीटर लंबी सरदार @150 यूनिटी मार्च, पदयात्रा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में निकाली गई।

पदयात्रा में जिले के मंत्री और विधायक निगम मंडल आयोग के अध्यक्ष भोजपुरी सैनिक इतिहासकार साहित्यकार पद्मश्री सम्मान से सम्मानित अतिथि एनसीसी एनएसएस रेड क्रॉस के कैडेट और स्कूली छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दानी स्कूल में हुई, जहां सरदार वल्लभभाई पटेल के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश के मंत्री टंकराम वर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल के नेतृत्व पदयात्रा आगे बढ़ी। पदयात्रा दानी स्कूल से कालीबाड़ी चौक, कोतवाली चौक, सदर बाजार, आजाद चौक, तत्यापारा चौक, रामसागर पारा, राठौर चौक, गुरु नानक चौक, देशबंधु संघ, स्टेशन चौक, फाफाडीह चौक, पीली बिल्डिंग होते हुए सरदार पटेल चौक, फाफाडीह तक पहुंची। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों, विभिन्न समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। पदयात्रा के समापन पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सरदार पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया।

इस पदयात्रा में पूर्व विधायक, देवजी भाई पटेल, संजय ढीढी, अमरजीत सिंह छाबड़ा, राजीव अग्रवाल, संजय श्रीवास्तव, छगन मुदड़ा, प्रफुल विश्वकर्मा, लोकेश कावड़िया, गौरी शंकर श्रीवास, शशांक शर्मा, नंद कुमार साहू, श्रीचंद सुंदरानी, मोना सेन, वर्णिका शर्मा, जयंती पटेल, अशोक बजाज, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, श्याम नारंग, सुभाष तिवारी, मोहन एंटी, जी स्वामी, मेघेश तिवारी, पन्ना दुबे, मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, अमित माहेश्वरी, कुंजन प्रजापति समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी भारती, जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भरोसा, इलाज से पहले

ITSA HOSPITALS | HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

1. **हर फैसला मिलकर लिया जाता है –** **इट्सा** हॉस्पिटल्स में किसी पर इलाज थोपे नहीं जाते। डॉक्टर और मरीज के परिवार मिलकर तय करते हैं कि क्या सही है।
2. **"भरोसा इलाज से पहले" –** यहाँ इलाज की शुरुआत भरोसे और समझ से होती है, न कि डर से।
3. **इट्सा के 100 केसों का ताजा आंकड़ा बताता है सच्चाई –**
   - सिर्फ 25% मरीजों को एंजियोप्लास्टी की जरूरत पड़ी।
   - 15% से भी कम को बायपास सर्जरी करनी पड़ी।
   - करीब 60% मरीजों का इलाज सिर्फ दवाओं से ही सफल हुआ।
4. **तकनीक के साथ ईमानदारी और संवेदना –** **इट्सा** में अत्याधुनिक मशीनें हैं, **Advanced Philips Cath Lab, HD-IVUS, ROTA, FFR**
5. **एक ज़रूरी बात याद रखें –** डॉक्टर अगर एंजियोग्राफी की सलाह दें, तो समझें – यह जांच है, फैसला नहीं।

डॉ. अक्षत जैन का मानना है –
"सबसे अच्छा इलाज हमेशा सबसे महंगा नहीं होता, बल्कि वह होता है जो मरीज के लिए सबसे उपयुक्त हो।"

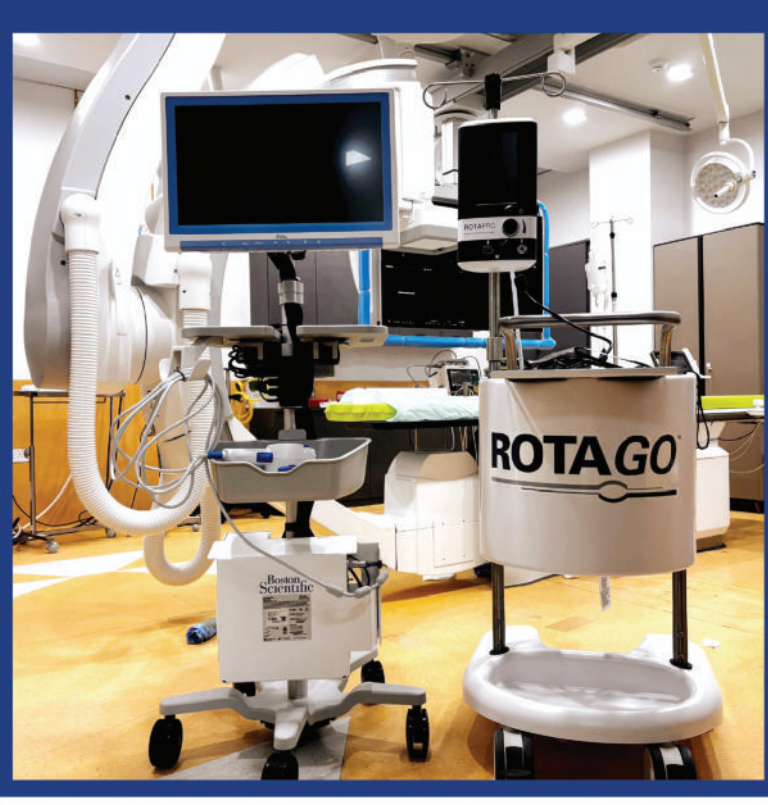

सवाल पूछें, जानकारी लें और भरोसे से आगे बढ़ें।
क्योंकि इट्सा में इलाज सिर्फ मशीनों से नहीं, दिल और भरोसे से होता है।

अब **इट्सा** हॉस्पिटल में अत्याधुनिक Boston Scientific Rota Pro System की मदद से हृदय की धमनियों में जमे हुए **कठोर कैल्शियम ब्लॉक्स** को आसानी से हटाया जा सकता है, जो एंजियोप्लास्टी के बेहतरीन परिणामों के लिए महत्वपूर्ण एकमात्र मशीन है।

T & C Apply

अम्बुजा सिटी सेंटर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर (छ.ग.)-492014 0771 4800000, 7880 110000 www.itsahospitals.com

आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹91457/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹111700/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹121931/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 16 नवंबर 2025

शहर में गरीब व मध्य वर्ग के करदाताओं से पानी, सफाई और प्रापर्टी टैक्स का पाई-पाई वसूलने वाला नगर निगम राजधानी के अलग-अलग जोन क्षेत्रों में स्थित सरकारी बंगलों में रहने वाले मंत्री, एमएलए, मेयर से लेकर अफसर तक से बंगले का सामान्य जल शुल्क, समेकित कर और कचरा उठाने के एवज में यूजर चार्ज नहीं वसूल पाया है।

सरकारी बंगलों पर प्रापर्टी टैक्स नहीं लगता, पानी और कूड़ा उठाने का टैक्स वसूलता है निगम

बंगला फ्री था, पर पानी-सफाई का पैसा भी पचा गए 'साहब'

मेयर बंगला, मंत्री- विधायक अफसरों ने टैक्स नहीं दिया

प्रदीप शर्मा ⏭ रायपुर

खास खबर

10 साल में 1100 सरकारी बिल्डिंग पर 10 करोड़ का टैक्स बकाया है। इसे वसूलने जोन 4 कमिश्नरी ने मुख्यालय को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा है। इसी तरह जोन 3 और जोन 2 क्षेत्र के सरकारी बंगलों में टैक्स वसूली की कमोबेश इसी तरह की स्थिति है। रायपुर नगर निगम जोन 4 कमिश्नरी क्षेत्र में सबसे ज्यादा 1100 सरकारी भवन मंत्री, विधायक, अफसर के हैं। सरकारी बंगले की वजह से नगर निगम इन बंगलों में रहने वालों से प्रापर्टी टैक्स नहीं ले सकता, पर यूजर चार्ज और सामान्य जलकर शुल्क की राशि नगर निगम में जमा ⏭शेष पेज 6 पर

- नगर निगम जोन 4 कमिश्नरी में 1100 सरकारी बिल्डिंग, 10 करोड़ टैक्स का बकाया, जोन 3 और जोन 2 में सरकारी बिल्डिंग

जोन 4 के प्रमुख सरकारी आवासीय परिसर

- शांतिनगर स्थित फारेस्ट कालोनी
- इंद्रावती नगर की सिंचाई कालोन
- पुलिस लाइन क्षेत्र स्थित पुलिस क्वार्टर
- सेल टैक्स कालोनी
- बैरनबाजार के नलघर चौक का मेयर बंगला
- सीएम, डिप्टी सीएम सहित अन्य मंत्रियों के बंगले

मंत्री, विधायक और महापौर को खुद करना है भुगतान

सरकारी आवास आवंटन जिनके नाम से आवंटित है उस अधिकारी, जन प्रतिनिधि या कर्मचारी ही संबंधित अवधि का सामान्य जल कर, समेकित व यूजर चार्ज का भुगतान करना होगा। सरकारी आवास होने की वजह से उस बंगले पर नगर निगम का प्रापर्टी टैक्स नहीं लगेगा। इस हिसाब से नगर निगम द्वारा कराए गए जीआईएस सर्वे के बाद डिमांड नोट तैयार कर निगम मुख्यालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। ताकि संबंधित व्यक्ति से बकाया टैक्स की वसूली की जा सके। ⏭शेष पेज 6 पर

मैं भी करूंगी भुगतान

कोई भी जनप्रतिनिधि हो सरकारी बंगलों का उपयोग करने पर संबंधित समय अवधि का यूजर चार्ज, सामान्य जल कर और समेकित कर नगर निगम को भुगतान करना चाहिए। ये हम सबकी जिम्मेदारी है, मैं खुद भी महापौर बंगले का निगम से संबंधित जो भी कर देय होगा उसका भुगतान करूंगी । हम सब जिम्मेदार नागरिक हैं इसलिए किसी भी सरकारी अधिकारी व कर्मचारी व जन प्रतिनिधि को इसमें किसी तरह की आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

सीएम के नेतृत्व में धान खरीदी

पहले दिन प्रदेश के 188 केंद्रों में खरीदा गया 18639 क्विंटल धान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- साय बोले- यह किसान भाइयों की मेहनत का उत्सव

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान शनिवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। यह अभियान राज्य के सभी जिलों में 31 जनवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी के लिए सम्पूर्ण चाक-चौबंद और पारदर्शी व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसानों की मेहनत से ही प्रदेश में समृद्धि और खुशहाली का वातावरण निर्मित हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेती-किसानी को बढ़ावा देने के लिए निष्ठा, संवेदनशीलता और सजगता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धान खरीदी को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा। किसानों की किसी भी प्रकार की असुविधा को रोकने के लिए सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष धान खरीदी को तकनीक-सक्षम बनाते हुए तुंहर टोकन ऐप, जीपीएस आधारित परिवहन, सतर्क ऐप और कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर जैसी व्यवस्थाएं मजबूत की गई हैं। आज भोर की सुनहरी किरणों के साथ छत्तीसगढ़ की धरती पर फिर शुरुआत हुई है छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की। यह धान खरीदी किसान भाइयों की मेहनत और सरकार पर उनके विश्वास का उत्सव है। ⏭शेष पेज 6 पर

खरीदी केंद्रों में किसानों का स्वागत

धान खरीदी के पहले दिन राज्यभर के खरीदी केंद्रों में किसानों का स्वागत फूल-मालाओं के साथ किया गया। विभिन्न जिलों में मंत्रिगणों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि सरकार का ध्येय केवल धान खरीदना नहीं, बल्कि किसान के श्रम का सम्मान सुनिश्चित करना है और यही भावना इस पूरे अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है।

धान खरीदी का पहला दिन... हड़ताल के बाद सरकार की वैकल्पिक व्यवस्था

सोसाइटियों में पूजा-पाठ, कहीं बोहनी-कहीं किसानों का इंतजार

पहले दिन कई जगह बोहनी हुई
कई जगह साफ सफाई की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर
राजनांदगांव / भिलाई-दुर्ग
नारायणपुर/ गरियाबंद/ अंबिकापुर
जांजगीर-चांपा की विशेष रिपोर्ट

प्रदेशभर में धान उपार्जन समितियों के प्रबंधक एवं ऑपरेटर हड़ताल पर हैं, लेकिन शासन के निर्देश पर सभी जिलों में वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए शनिवार से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की। हरिभूमि की टीम पहले दिन सोसायटियों में लाइव पड़ताल करने पहुंची। कई जगह धान खरीदी की बोहनी हो गई। किसानों ने पहले दिन धान बेचा, तो ⏭शेष पेज 6 पर

रायपुर का यह हाल

विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 139 उपार्जन केंद्र हैं। पहले दिन 61 उपार्जन केंद्रों में धान बेचने के लिए लगभग 175 किसानों का टोकन काटा गया है। 30 उपार्जन केंद्रों में 1234 क्विंटल धान ही खरीदा जा सका। इस दिन पहले दिन मात्र 15 प्रतिशत धान खरीदा जा सका। जिले के ग्राम पचेड़ा उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की पूरी तैयारी की गई थी। इसके लिए उपार्जन केंद्र भवन की रंगाई से लेकर तौल ⏭शेष पेज 6 पर

राजनांदगांव में बोहनी

प्रदेश सरकार के निर्देश पर 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई है। सहकारी समिति प्रबंधकों और कम्प्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल को देखते हुए । जिला प्रशासन ने जिले की 96 धान खरीदी केंद्र में खरीदी को लेकर पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए नोडल अधिकारी ⏭शेष पेज 6 पर

दुर्ग जिले के 35 समितियों में धान खरीदी

दुर्ग। दुर्ग जिले में पहले दिन शनिवार को धान खरीदी की औपचारिक शुरूआत हुई। जिले के 87 समितियों के माध्यम से इस साल धान खरीदी होनी थी लेकिन समिति प्रबंधकों और कर्मचारियों के अनिश्चतकालीन हड़ताल का ऐसा असर पड़ा। सरकार ⏭शेष पेज 6 पर

पतंजलि®

देश की एकमात्र लिस्टेड कम्पनी जिसका 100% प्रॉफिट देशवासियों की सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान एवं राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है।

सर्दियों में ठण्ड से अपने आप को बचाएं, इम्यूनिटी बढ़ाएं, रोगों से लड़ने की शक्ति व आन्तरिक ऊर्जा पाएं।

पतंजलि का श्रेष्ठतम च्यवनप्राश, हनी व गाय का शुद्ध देशी घी खाएं।

ऑनलाइन ख़रीदें– www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर– 18001804108
OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।

आपकी भक्ति जितनी शुद्ध
असली चंदन लेप से बनी

SANTOOR Agarbatti

चंदन लेप | चंदन+केसर | चंदन+मोगरा

आजकल हरिभूमि

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। इसके अलावा भी अनेक कारण रहे जिन्होंने मतदाताओं को राजग के पक्ष में खड़ा किया। इन्हीं कारणों का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

विशाल जनादेश के साथ सत्तारूढ़ राजग

विश्लेषण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा के लिए हुए सत्रहवें चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी ध्वजा फहरा कर आगामी पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए पुनः सत्तारूढ़ होने जा रहा है। कुल 243 निर्वाचन क्षेत्रों के घोषित परिणामों में भाजपा ने अपने हिस्से के पूरे 89, जदयू ने पूरे 85 और लोजपा ने पूरे 19 क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर ली है। राजग के इन तीन प्रमुख घटक राजनीतिक दलों ने कुल 193 क्षेत्रों में जीत प्राप्त कर ली है।

शेष 50 क्षेत्रों में विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख घटक राजद ने 25, कांग्रेस ने 6, एआईएमआईएम ने 5, एचएएमएस ने 5, रालोमो ने 4, सीपीआई (एमएल, एल) ने 2, आईआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा ने एक-एक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की है। यदि दलों को प्राप्त मत प्रतिशत पर दृष्टिपात करें तो पहले से सत्तारूढ़ और पुनः विजय प्राप्त कर सत्तारूढ़ होने वाले राजग के प्रमुख दल भाजपा को 20.07, जदयू को 19.26, लोजपा को 4.98 प्रतिशत मत मिले हैं। राजग के इन तीन प्रमुख घटक दलों का कुल मत प्रतिशत 44.31 प्रतिशत है। प्रमुख विपक्षी दल राजद को 23, कांग्रेस को 8.71, एआईएमआईएम को 1.85, सीपीआई (एमएल, एल) को 2.84, बसपा को 1.62 प्रतिशत मत मिले हैं। कुल 1.81 प्रतिशत लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था। शेष प्रतिभागी अन्य राजनीतिक दलों को कुल 14 प्रतिशत मत मिले हैं। इस प्रकार विपक्ष को कुल 38 प्रतिशत मत मिले। यदि दलवार ध्यान दें तो सर्वाधिक मत प्रतिशत 23 राजद का रहा। इसके बाद भाजपा 20.07 और फिर जदयू 19.26 क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर हैं।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

राजद का मत प्रतिशत अधिक

यदि राजद का मत प्रतिशत सर्वाधिक है, तो यह इस शंका को बढ़ाता है कि बिहार में अभी भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शत-प्रतिशत संपन्न नहीं हुआ है। अभी भी राज्य में अवैध मतों की राजनीतिक कुक्रीड़ा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। केंद्रीय एवं प्रांतीय चुनाव आयोगों को इस ओर ध्यान देना होगा कि जो दल कुल 243 में से केवल 25 निर्वाचन-क्षेत्रों में जीता है, उसका मत प्रतिशत प्रमुख विजयी दल भाजपा एवं जदयू से अधिक कैसे हो गया है। चिंता का विषय यह भी है कि जो मरणासन्न दल एक-दो क्षेत्रों में ही किसी प्रकार चुनाव जीते हैं, उनका मत प्रतिशत पांच या छह क्षेत्रों में चुनाव जीतने वाले दलों से अधिक है। इस चुनावी, निर्वाचनीय एवं लोकतांत्रिक दोष की ओर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सुशासन आधारित कार्य

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। राजग के पक्ष में खड़े हुए चौवालीस प्रतिशत मतदाताओं में नारीशक्ति अग्रणी है। पुरुष वर्ग अभी भी अनेक व्यक्तिगत किंतुओं-परंतुओं की उलझनों, जातिगत समीकरणों के दोषों तथा राजनीतिक कट्टरताओं के कारण अपने मत व्यर्थ कर रहा है।

नारियों से सीखें पुरुष मतदाता

यदि पुरुष वर्ग भी नारियों की भांति राजनीतिक सतर्कता, सजगता का ध्यान रखे और सुशासन व विकास के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर मतदान यज्ञ में सम्मिलित हो, तो निश्चित रूप में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अधिक बड़े जनादेश की राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो। इसी कारण से, बिहार ही नहीं, पूरे भारत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अधिक सक्रियता एवं गहनता से संचालित किए जाने की अति आवश्यकता है। यदि भारतीय मतदाताओं की समुचित सूची बन जाती है तो डंके की चोट पर पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदान होगा। हजारों की संख्या में पंजीकृत राजनीतिक दल घटकर कुछ सौ अंक तक सीमित हो जाएंगे। ऐसा होने पर चुनाव आयोग पर भी अधिक राजनीतिक दलों की गणना कर उनसे संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का भार भी नहीं होगा। बिहार चुनाव जीतने के लिए केंद्र से लेकर बिहार प्रदेश तक राजद की जो भी चुनावी योजनाएं रही हों, वे तो जीत का कारण हैं ही, किंतु मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम ने भी प्रादेशिक चुनाव प्रक्रिया को अपेक्षित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने में व्यापक भूमिका निभाई है। न्यायोचित एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संवेदनशील जनता के मतानुसार शासन की नियुक्ति हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आरंभ होने के बाद बिहार प्रदेश प्रथम था, जहां इस कार्यक्रम की प्रथम चुनावी प्रतिक्रिया सामने आई है, और जो प्रतिक्रिया लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप श्रेष्ठ ढंग से प्रकट हुई है।

विश्वास पर खरी उतरे सरकार

वैसे प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल को विधानसभा में विपक्ष के प्रमुख दल के रूप में विराजने योग्य जनादेश तो नहीं मिला है, किंतु अपने मत प्रतिशत को लेकर दल के नेता अतिशयोक्तिपूर्ण वक्तव्य अवश्य देंगे। केंद्र से लेकर बिहार तक शासन का कार्यभार संभालने वाले शासनिक-प्रशासनिक तंत्र को इनके नकारात्मक वक्तव्यों से ध्यान हटाकर तथा इनके संभावित राजनीतिक षड्यंत्रों पर पैनी दृष्टि रखकर केवल और केवल जनादेश के अनुसार चहुंदिश प्रादेशिक विकास कार्यों पर राजनीतिक-प्रशासनिक शक्ति लगानी होगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

बिहार में उड़े 'गरदे' के गूढ़ार्थ

सियासत

डॉ. घनश्याम बादल

वरिष्ठ स्तंभकार

इस विधानसभा चुनाव में बिहार ने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए नीतीश कुमार और भाजपा नीत एनडीए को प्रचंड जीत दिलवाते हुए राजनीति का एक नया मिथ रच बड़ा संदेश दिया है। यह संदेश बहुत साफ है कि यदि आप सरकार में रहकर सचमुच जनकल्याण के कार्य आगे बढ़ाते हैं तो फिर गलतियों के बावजूद जनता आपको सर आंखों पर बिठाती है। हालांकि पहले दौर के मतदान के बाद ही सर्वेक्षण एजेंसियों ने राजग की बढ़त की भविष्यवाणी कर दी थी और दूसरे दौर के बंपर मतदान के बाद ज़्यादातर एजेंसियां एनडीए को 130 से 160 सीटें दे रही थी, हालांकि तब सर्वेक्षण एजेंसियों के परिणामों पर उंगलियां भी उठाई जा रही थीं लेकिन वास्तविक परिणाम ने जिस तरह राष्ट्रीय जनता दल और सहयोगी दलों के महागठबंधन का सफाया किया है, वह हैरतअंगेज है। राहुल-तेजस्वी की जोड़ी, एसआईआर और वोट चोरी के साथ-साथ हर घर को नौकरी, माई बहन मान योजना और रैलियों में उमड़ रही भीड़ तथा तेजस्वी एवं राहुल की हुंकार से माहौल भरमा रहा था कि इस बार एनडीए को बहुमत प्राप्त करना आसान नहीं होगा लेकिन बिहारियों के मन को समझना विशेषज्ञों के भी बस से बाहर की बात रही और अंततः एनडीए प्रचंड बहुत के साथ फिर सत्ता में आ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने न सिर्फ सत्ता बरकरार रखी, बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ राजनीति-मंच पर नये समीकरण भी गढ़े हैं। इस जीत के पीछे कई कारण हैं। रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार और उनके सहयोगियों ने जमकर लाभ उठाया। इसी पृष्ठभूमि में प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की रणनीतिक विफलता राजग के लिए सफलता का आधार बनी है। यदि चुनाव से पहले की स्थितियों पर नजर डालें तो पहले से ही एनडीए लीड ले चुका था। उसने प्रत्याशियों की पहले घोषणा की जबकि महागठबंधन के नेता आपस में लड़ते रहे। टकराव तो राजग में भी दिखाई दिया लेकिन सुगठित चुनाव प्रचार, जनता के मन तक पहुंचना, सरकार की उपलब्धियां, शाह-मोदी तथा नीतीश की तिकड़ी के चमत्कार और लालू यादव के जंगल राज की यादों को ताजा करने की कुशल रणनीति ने एनडीए के चमत्कार को नमस्कार करवा दिया। एनडीए इस चुनाव में विकास-विचारधारा को मुद्दा बनाकर, "डबल इंजन सरकार" और सुशासन एजेंडे के साथ मैदान में उतरा था और विपक्ष के एमवाई (मुसलमान + यादव) के मुकाबले अपने एमवाई (महिला+युवा) की प्रस्तुति ने इस गठबंधन को व्यापक समर्थन दिया। इसके विपरीत, महागठबंधन ने जातिगत वोट बैंक विशेष रूप से मुस्लिम-यादव और नौकरियों-मुद्दों पर जोर दिया लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने "गाँव-गाँव, मुद्दा-मुद्दा" की पहल की और नौकरियों-माइग्रेशन जैसे विषय उठाये, लेकिन उसका असर सीमित रहा। राहुल गांधी की ओर से "वोट चोरी" व एसआईआर में गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए गए, उनकी रेलियों में भीड़ तो उमड़ी लेकिन 'वोट चोर गद्दी छोड़' की अपील जनादेश में बदल नहीं पाई। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा निर्णायक रहे हैं। इस बार एनडीए ने पिछड़ी अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों, ओबीसी-गैर-यादवों के हर वर्ग में सेंध लगाने में सफलता प्राप्त की और हर वर्ग से वोट मिलने की वजह से ही इतना प्रचंड बहुमत मिलना संभव हो पाया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अति पिछड़ी एवं पिछड़ी जातियों के करीब 58 % वोट एनडीए को मिले। वहीं, महागठबंधन की अपने परंपरागत मुस्लिम यादव वोट बैंक पर अत्यधिक निर्भरता और अन्य समूहों के जुड़ पाने की विफलता से राजनीतिक रूप से भारी नुकसान हुआ और वह पहले जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं कर पाया। महागठबंधन की सफलता में एक बड़ा कारण वहां कांग्रेस का जमीनी संगठन न रहना भी रहा। साथ ही, दो साल तक तेजस्वी का नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना और फिर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भी भारी पड़ा। मिथिलांचल, मगध, शिवहर-सीमांचल आदि में एनडीए. को संतुलित आधार मिला। विरोधी गठबंधन मुख्य रूप से एक-दो क्षेत्रीय और जातिगत धड़ों तक सीमित रहा, जिससे उनकी व्यापक पहुंच ढीली पड़ गई। इस जीत में नीतीश कुमार का 'सुशासन बाबू' का ब्रांड भी महत्वपूर्ण रहा। उनका दल जनता दल यूनाइटेड 80% जीत दर के साथ इस बार पहले से लगभग दुगनी सीटों पर जीता तो भारतीय जनता पार्टी ने 90% का स्ट्राइक रेट पाया।

रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, नीतीश ने लाभ उठाया

परिणामों में महागठबंधन को लगा बड़ा झटका

विश्लेषण

सुरेश हिन्दुस्तानी

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुई मतगणना के बाद प्रदेश की राजनीतिक तसवीर स्पष्ट दिखाई देने लगी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बन रही है। इसके निहितार्थ एकदम स्पष्ट हैं कि बिहार के मतदाताओं ने भाजपा के साथ नीतीश को फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनाने पर अपनी मुहर लगा दी है। दूसरी ओर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में बनाए गए महागठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है। इसमें सबसे बड़ी बात यह भी है कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन अपनी पिछली स्थिति को बरकरार रखने में भी असफल रहा है। पिछले चुनाव में राजद बहुमत की संख्या से कुछ ही दूर रहा, लेकिन इस बार यह संख्या बहुत कम होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे। कांग्रेस की स्थिति तो इससे भी ज्यादा दयनीय हो चुकी है, वह दहाई की संख्या में आने के लिए भी तरस रही है। इनका वोट चोरी का आरोप भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सका। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाते हुए यह दावा किया गया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना था कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना गया। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है। कांग्रेस ने अपनी स्थिति स्वयं ही कमजोर की है। क्षेत्रीय दलों के सामने समर्पण करने के बाद भी कांग्रेस अपने को बहुत बड़ा दल मानती है और वैसा ही व्यवहार भी करती है। जबकि राजद ने कांग्रेस को ज्यादा भाव नहीं दिया। राष्ट्रीय जनता दल की हार के पीछे एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि बिहार में फिर से यादव राज की संभावना से मतदाता नाराज हुआ, इसके जानने के बाद भी तेजस्वी ने सहयोगी दलों की आवाज को अनसुना करते हुए विधानसभा के चुनाव में राजद की ओर से 52 प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया। इससे अन्य मतदाता इनकी ओर उतना नहीं आ सका, जितनी उम्मीद की जा रही थी। इसको भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग किया, जो भाजपा के लिए लाभदायक साबित हुआ। बिहार के मतदाताओं ने प्रदेश की जो राजनीतिक तस्वीर बनाई है, वह चुनाव बाद किए गए सर्वेक्षण को सही साबित कर रहे हैं।

कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे।

बिहार का जनादेश लाया बदलाव का नया संदेश

रणनीति

प्रभुनाथ शुक्ल

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गई है। विपक्ष ने बिहार में जंगलराज की बात को भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जनतादल (यू) नीतीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया।

एनडीए गठबंधन ने पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है। कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है। बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया, उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों को खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा हैं, जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए, जमीन पर काम भी किया। इससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है, राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है। इन परिणामों ने यह साबित किया कि है यहां की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार की जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी। एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉर्मूला माना जा रहा है जिनमें एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए ने जनता के बीच जाकर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं।

चुनाव परिणामों में भावनाओं पर नीति की जीत

जनादेश

अजीत लाड़

स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का जनादेश भारतीय राजनीति की गहरी हलचलों को उजागर करता है। यह नतीजा मात्र सत्ता परिवर्तन का गणित नहीं; यह मतदाता की विकसित समझ, सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं और राजनीतिक नेतृत्व के प्रति विश्वास का विस्तृत परीक्षण भी है। कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल जिस "एकता" को ऐतिहासिक पलटवार के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे, वह मतदाता की कसौटी पर टिक ही नहीं पाया। यह पराजय किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि कई वर्षों से संचित संगठनात्मक कमियों, भूथर रणनीतियों और अधूरे नेतृत्व का प्रतिफल है। चुनावी अभियान की शुरुआत में महागठबंधन ने परिवर्तन की तेज़ हवा का दावा किया।

राजनीतिक नारों, आक्रामक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार की चमकदार प्रस्तुतियों से जनता का मन जीतने का प्रयास हुआ। फिर भी मतदाता की वास्तविक अपेक्षाएं सतही उत्तेजनाओं से आगे बढ़ चुकी थीं। बिहार का युवा अब अवसर चाहता है, महिलाएं आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोज रही हैं, और ग्रामीण मतदाता ऐसी सरकार को प्राथमिकता देता है जो रोज़मर्रा की समस्याओं को हल करने की क्षमता दिखा सके। महागठबंधन इन व्यापक अपेक्षाओं को समझ ही नहीं पाया। उसके दावों में भावनाएं तो प्रबल थीं, पर भविष्य के लिए ठोस संरचना का अभाव रहा। नेतृत्व भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। तेजस्वी यादव को युवा राजनीति का प्रतीक बताने की कोशिश हुई, फिर भी बिहार जैसे जटिल राजनीतिक भूगोल वाले राज्य में अनुभव, प्रशासनिक दृष्टि और कठोर निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। जनता वही नेतृत्व चुनती है जिसके पास दिशा हो, स्पष्टता हो और दीर्घकालिक सोचना आता हो। कांग्रेस की स्थिति इससे भी अधिक विस्मयकारी रही, न संगठन में सक्रियता, न स्थानीय स्तर पर उपस्थिति, न ही कोई ऐसा चेहरा जो मतदाता में भरोसा पैदा कर सके।

इस शून्य ने महागठबंधन को एकजुट मोर्चे के रूप में कम और विखंडित समूह के रूप में अधिक प्रस्तुत किया। भाजपा ने इस चुनाव में जिस सबसे महत्वपूर्ण तत्व पर ध्यान केंद्रित किया, वह था समावेशी विकास का भरोसा। "सबका साथ–सबका विकास" केवल नारा नहीं रहा; यह उन योजनाओं का आधार बना, जिन्होंने समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ दिया। विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास बिहार में परिवर्तन की धुरी बन गया। स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण उद्यमिता, शिक्षा में सुधार, सुरक्षा की विश्वसनीयता और घर की चारदीवारी से बाहर आर्थिक सहभागिता, इन सभी ने महिलाओं को पहली बार यह अनुभव कराया कि राजनीति उनके जीवन को वास्तविक रूप से बदल सकती है। भाजपा ने इस परिवर्तन को समझकर अपनी रणनीति तय की।

महागठबंधन इस उभरती शक्ति को केवल भावनात्मकता के सहारे प्रभावित करने की कोशिश करता रहा, जबकि मतदाता ठोस परिणामों की तुलना करता चला गया। बिहार में लंबे समय तक जाति समीकरण चुनावी भविष्यवाणी का सरल सूत्र माने जाते थे। इस चुनाव ने उस पुराने ढांचे को पूरी तरह अप्रासंगिक साबित किया। मतदाता अब केवल पहचान के आधार पर मतदान नहीं करता; वह विकास के अवसरों, सरकारी सेवाओं की उपलब्धता और स्थिर प्रशासन को प्राथमिकता देता है। भाजपा की नीतियों और कार्यशैली ने यह विश्वास जगाया कि राज्य के विकास का पहिया तेज़ गति से घूम सकता है। सड़क, बिजली, गैस, सिंचाई, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में जो विस्तार हुआ, उसने मतदाता के मन में यह धारणा स्थापित की कि विकास की निरंतरता उसी राजनीतिक इकाई से संभव है जिसने इन आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया। विपक्ष की सबसे बड़ी भूल यह रही कि उसने सोशल मीडिया की चमक को वास्तविक जनभावनाओं का प्रतिनिधि मान लिया। डिजिटल अभियानों में ऊर्जा भले ही दिखी, पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर पर उनकी उपस्थिति कमजोर रही। चुनाव प्रचार में रीलें और ट्रेंड उत्साह पैदा करते हैं, परंतु मतदान का निर्णय तभी बनता है जब मतदाता को यह भरोसा हो कि उसका जीवन सुरक्षित, स्थिर और प्रगतिशील दिशा में आगे बढ़ रहा है। महागठबंधन इस भरोसे की नींव तैयार करने में असफल रहा। इस चुनाव के पीछे जो वास्तविक मनोदशा रही, वह एक वाक्य में स्पष्ट होती है। जनता विरोध नहीं, विकल्प चाहती है। ऐसा विकल्प जो केवल व्यवस्था की आलोचना न करे, बल्कि बेहतर व्यवस्था का भरोसेमंद मार्ग प्रस्तुत करे। एनडीए यह विश्वास दिलाने में सफल रहा कि शासन क्षमता, नीति की दृढ़ता और समाज के हर वर्ग से जुड़ने की शक्ति उसके पास है। विपक्ष केवल सरकार-विरोध का मंच बनकर रह गया, उसकी अपनी कोई ऐसी योजना सामने नहीं आई जो मतदाता को प्रेरित कर सके। बिहार का यह जनादेश पूरे देश के लिए एक संकेत देता है। मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

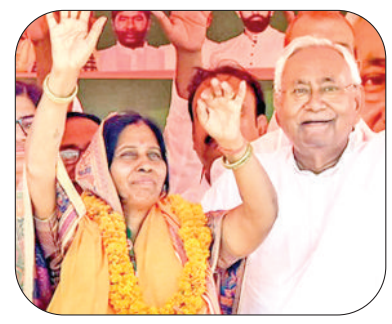

मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ओपीडी के मरीजों की आईपीडी, कागजों में मिले कई सुविधाओं के दावे

स्वास्थ्य योजना में बीमारियों के कम पैकेज का रोना रोने वाले अस्पताल इसकी आड़ में ज्यादा लाभ कमाने के चक्कर में गोलमाल से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। आयुष्मान मरीजों के इलाज के लिए एमबीबीएस डाक्टर का होना जरूरी है, मगर खर्च बचाने के लिए अस्पताल बीएएमएस यानी आयुर्वेद डाक्टरों से काम चला रहे हैं। आयुष्मान की सुविधा आईपीडी के बाद मिलती है, इसलिए उन मरीजों को भर्ती कर इलाज किया गया है, जिन्हें ओपीडी में सामान्य दवा से ठीक किया सकता था।

पैसा बचाने के लिए एमबीबीएस की जगह झोला छाप बीएएमएस डॉक्टर से इलाज करा रहे प्राइवेट हास्पिटल

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

खास खबर

आयुष्मान योजना के मरीजों के इलाज में गड़बड़ी की सूची के आधार पर विभागीय टीम फिर एक्शन के मोड में आ चुकी है। रायपुर सहित चार जिलों के 15 निजी अस्पतालों को योजना से अलग-अलग अवधि के लिए बाहर किया गया है। ज्यादातर अस्पताल आयुष्मान योजना के मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए नियमों को पूरा नहीं कर रहे हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या एमबीबीएस डाक्टरों की कमी का है। ⏭शेष पेज 6 पर

कार्रवाई और भी

आयुष्मान योजना के पंजीकृत अस्पताल निर्धारित मानकों को पूरा करते हैं अथवा नहीं, इसकी जांच की जा रही है। कमियों और गड़बड़ियों पर उनसे जवाब मांगा जा रहा है और आवश्यकता अनुसार कार्रवाई की अनुशंसा भी की जा रही है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

निजी अस्पतालों का फर्जीवाड़ा, जारी है निलंबन जैसी कार्रवाई का दौर

इस तरह की शिकायत

- रायपुर के बांसटाल स्थित श्री गोविंद हास्पिटल में पेट दर्द की समस्या को हार्निया बताकर इलाज, गलत पैकेज ब्लाक करने की ढेरों शिकायत।
- महासमुंद के तीनों निजी अस्पतालों ने आयुष्मान इंपैनल्ड सूची में शामिल होने के बाद भी हितग्राहियों के इलाज से किया इंकार।
- धमतरी के निजी हास्पिटल जांच, दूसरी बीमारी और सर्जरी के नाम पर मरीज से 32 हजार रुपए वसूले, शिकायत पर कार्रवाई।
- कुशालपुर, शंकरनगर और रायपुरा के अस्पताल में एमबीबीएस वाले डाक्टर कम मिले, यहां बीएएमएस चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति।
- भाठागांव और खमतराई के निजी हास्पिटल के दस्तावेजों और वार्डों में मौजूद मरीजों की संख्या में अंतर मिला। अन्य कमियां भी पाई गईं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हवाई अड्डे पर 1.06 करोड़ का गांजा जब्त

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर तीन किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त कर एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। थाईलैंड से आए यात्री के पास से जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ का बाजार मूल्य 1.06 करोड़ रुपए है। 14 नवंबर को बैंकॉक से आए एक व्यक्ति को रोका। जांच के दौरान उसके सामान से 3.03 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

आग से परिवार के पांच सदस्यों की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक मकान में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों में ललन शाह, उनकी मां, पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। यह घटना मोतीपुर इलाके के वार्ड संख्या 13 में मध्यरात्रि के आसपास हुई।

मुख्यमंत्री ने किया भगवान बिरसा मुंडा का स्मरण

छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए संकल्पित : साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सिटी ग्राउंड में विभिन्न जनजातीय समाज के प्रमुखों ने आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री का पारंपरिक सिहाड़ी माला, पगड़ी (साफा) और गजमाला भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र सहित जनजातीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

पारम्परिक लोक नृत्यों की प्रस्तुति: जनजातीय गौरव समाज के संभागीय अध्यक्ष तुलूराम कश्यप ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जनजातीय लोक नर्तक दलों ने बस्तर की पारम्परिक लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन उपस्थित थे।

स्वतंत्रता संग्राम में अभूतपूर्व योगदान

वन मंत्री केदार कश्यप ने जनजातीय समुदाय के पूर्वजों के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और सामाजिक सुधारों से प्रेरणा लेने का आह्वान युवाओं एवं भावी पीढ़ी से किया। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और सतत संवर्धन को आगे बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

आजादी की लड़ाई और जल-जंगल-जमीन की रक्षा

विधायक किरण देव ने बस्तर के क्रांतिकारी जननायक शहीद गुंडाधुर, डेबरीधुर, गेंदसिंह के संघर्षों एवं योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने आजादी की लड़ाई और बस्तर के जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अद्भुत त्याग किया। बस्तर क्षेत्र में जनजातीय समुदाय की एकजुटता और उत्थान के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहे।

सूरत में गरजे प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा- कांग्रेस ने सालों तक आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ डेडियापाड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया है, लेकिन कांग्रेस ने कभी उनके योगदान को मान्यता नहीं दी और स्वतंत्रता के बाद पार्टी के 60 साल के शासन के दौरान उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया। आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात में नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं ⏭शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ समेत कई आदिवासी सीएम का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं। हमारे जनजातीय समाज के ओडिशा के मुख्यमंत्री राज्य का विकास कर रहे हैं। हमने कई राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री दिए। भाजपा ने कई राज्यों में आदिवासियों को जगह दी। मंगूभाई पटेल एमपी के राज्यपाल हैं। सोनोवाल जहाजरानी मंत्रालय संभाल रहे हैं।

करणी सेना अध्यक्ष के खिलाफ टीआई ने कराई एफआईआर

राज शेखावत ने तोमर के समर्थन में पुलिस को दी थी धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर के समर्थन में पुलिस को धमकी देने वाले क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

डॉ. राज शेखावत के खिलाफ मौदहापारा थाने की पुलिस ने शनिवार को एफआईआर दर्ज की है। शेखावत के खिलाफ पुरानी बस्ती थाना के तत्कालीन टीआई योगेश कश्यप ने शिकायत दर्ज कराई है। शेखावत ने सोशल मीडिया में लाइव आकर वीरेंद्र तोमर के खिलाफ कार्रवाई तथा जुलूस निकालने वाले पुलिसकर्मियों के घर में घुसकर बदला लेने की धमकी दी थी। दर्ज एफआईआर में आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया गया है। मौदहापारा ⏭शेष पेज 6 पर

कोर्ट परिसर में नारेबाजी, कार्रवाई की तैयारी

वीरेंद्र तोमर को पुलिस शुक्रवार को कोर्ट में पेश करने ले जा रही थी, इस दौरान डेढ़ दर्जन के करीब उत्पाती युवक वीरेंद्र तोमर के समर्थन में नारा लगाते हुए कोर्ट रूम तक पहुंच गए। कोर्ट परिसर में पूरे समय निषेधाज्ञा धारा 144 जो वर्तमान में बीएनएस की धारा 163 लागू रहती है। उस जगह नारेबाजी करने वाले लड़कों की पुलिस वीडियो फुटेज के माध्यम से पहचान कर कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

गड़बड़ी करने वालों के नहीं छोड़ेंगे- गृहमंत्री

करणी सेना के सात दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम, प्रदर्शन को लेकर राज्य के डिप्टी सीएम तथा गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा है, कोई भी सामाजिक संस्था अच्छे काम के लिए होती है। किसी अपराधी के पीछे खड़े होने के लिए नहीं। अपराधी, अपराधी है, हर एक अपराधी किसी न किसी संस्था, समाज से होता है। हर अपराधी के पीछे समाज आकर खड़ा हो जाएगा, तो कैसे काम होगा। छत्तीसगढ़ में गड़बड़ी करने वाले को नहीं छोड़ा जाएगा। कठोरता के साथ कार्रवाई की जाएगी।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुनः धमकी

एफआईआर दर्ज होने के बाद राज शेखावत ने अपने सोशल मीडिया एक्स अकाउंट में पुलिस को पुनः धमकी देते हुए लिखा है कि छत्तीसगढ़ पुलिस कान खोलकर सुन ले, अब हमारे एक भी पदाधिकारी या करणी सैनिक पर झूठी एफआईआर की जाती है, तो अंजाम ऐतिहासिक होगा। जबरन वसूली, सूदखोरी तथा आर्म्स एक्ट के आरोप में वीरेंद्र तोमर 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर शुक्रवार को जेल दाखिल किया गया है।

जब्त विस्फोटकों के नमूने लेते समय धमाका

नौगाम थाने में विस्फोट अब तक नौ की गई जान

एजेंसी ⏭ श्रीनगर/नई दिल्ली

श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में आकस्मिक विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य लोग घायल हो गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह आतंकवादी हमला नहीं था। विस्फोट उस वक्त हुआ, जब टीम 'सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में जांच के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े और 'अस्थिर' जखीरे से नमूने ले रही थी।

लिए जा रहे थे नमूने

जिन सामग्रियों से नमूना लिया जा रहा था वे पहले बरामद किए गए लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थों, अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर समेत रासायनिक पदार्थों का हिस्सा थीं। शीर्ष अधिकारी ने बताया कि विस्फोटकों को हरियाणा के फरीदाबाद से टाटा 407 पिकअप ट्रक में छोटे-छोटे बैगों में भरकर लाया गया था।

थाने के साथ कई इमारत क्षतिग्रस्त

इस भीषण विस्फोट से पुलिस थाने की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आस-पास की इमारतें भी प्रभावित हुईं। शुरुआत में लगातार छोटे-छोटे विस्फोट होने से बचाव अभियान में बाधा आई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम थाने में हुए विस्फोट की जांच के आदेश दिए। सिन्हा ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मैंने आकस्मिक विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए हैं।

राजद की हार के बाद रोहिणी ने छोड़ी राजनीति

लालू की बेटी रोहिणी ने परिवार से तोड़ा नाता

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी हार के एक दिन बाद, पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की शनिवार को घोषणा की। एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुकीं रोहिणी लंबे समय से सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रही हैं। उन्होंने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा 'एक्स' पर एक पोस्ट में की। उन्होंने कहा, मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं। संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे यही करने को कहा था और मैं पूरा दोष अपने ऊपर ले रही हूं। संजय यादव, राजद के राज्यसभा सदस्य हैं और तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद ⏭शेष पेज 6 पर

हार के बाद बढ़ी जिम्मेदारी और दबाव की लड़ाई

रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में राज्यसभा सांसद संजय यादव और रमीज का नाम लेते हुए कहा है कि वो सारा दोष खुद पर ले रही हैं। उनके इस बयान से साफ होता है कि चुनावी हार के बाद पार्टी के भीतर जिम्मेदारी तय करने और आंतरिक दबाव का माहौल है। ये कदम संकेत देता है कि राजद के भीतर नेतृत्व और हार के बाद की रणनीति को लेकर बड़ा टकराव चल रहा है, जिसका नतीजा अब परिवार की फूट के रूप में सामने आया है। ये वही संजय यादव जिन्हें अक्सर तेज प्रताप यादव बिना नाम लिए 'जयचंद' बताते रहते हैं। तेजस्वी के सबसे करीबी मित्रों और सहयोगियों में राज्यसभा सांसद संजय यादव का नाम शुमार है।

विस चुनाव राजद को करारा झटका

बिहार विस चुनाव में कांग्रेस और उसकी सहयोगी राजद को करारा झटका लगा। राजग की प्रचंड जीत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके दोनों प्रमुख घटक भाजपा और जनता दल यूनाइटेड ने अपनी-अपनी 101 सीटों पर लगभग 85 प्रतिशत का सफलता दर हासिल किया। गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में "200 पार" करते हुए तीन-चौथाई बहुमत का आंकड़ा हासिल किया, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 16 नवंबर 2025

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

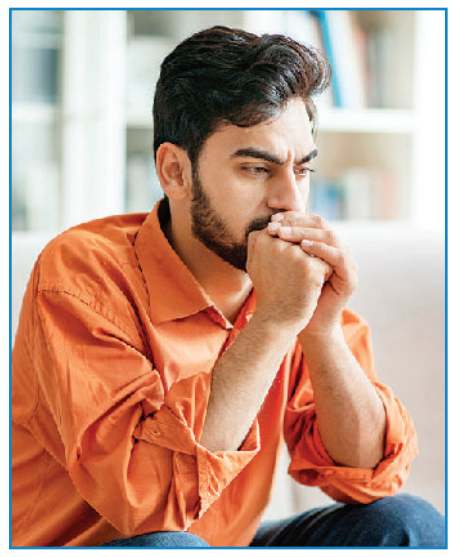

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का आर्थिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओ रि एं टे ड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्विवेदी

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकारः मनोज मोहन,
मूल्यः200 रु, प्रकाशकः सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

चीन से नोट छपवा रहे भारत के 5 पड़ोसी देश

नई दिल्ली। भारत के अधिकांश पड़ोसी देश, श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड अपनी करेंसी चीन में छपवाते हैं। अब नेपाल भी अपनी करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहा है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने 7-8 नवंबर को 1000 रुपए के 43 करोड़ नोटों की प्रिंटिंग के लिए एक टेंडर जारी किया था। इस टेंडर को चीन की एक कंपनी ने जीत लिया है। इसके बाद नेपाली बैंक ने चाइना सीबीपीएमसी को टेंडर दे दिया। 1945 से 1955 तक नेपाल के सभी नोट भारत की नासिक स्थित सिक्योरिटी प्रेस में छपे और उसके बाद भी भारत ही मुख्य साझेदार बना रहा। हालांकि, 2015 में नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने वैश्विक टेंडर के जरिए चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन (सीबीपीएमसी) को कॉन्ट्रैक्ट दे दिया, जिसके बाद नेपाल के ज्यादातर नोट चीन में ही छपने लगे। पिछले कुछ सालों में चीन एशियाई देशों की करेंसी का बड़ा केंद्र बन चुका है। इससे अमेरिका-ब्रिटेन के मुद्रा छापने वाले बाजार पर नेगेटिव असर पड़ रहा है।

सीएम को लेकर बिहार में रार

जदयू बोली, नीतीश ही बनेंगे मुख्यमंत्री भाजपा ने कहा- विधायक तय करेंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली-पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन पर कवायद शुरू हो गई है। सियासी गलियारों में सवाल तैर रहा है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस पर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। वहीं, एनडीए में सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने वाली बीजेपी ने सीएम पद पर थोड़ा सस्पेंस बना दिया है। भाजपा का कहना है कि एनडीए के विधायक मिलकर अपना नेता तय करेंगे।

ललन, रजक का दावा

बिहार चुनाव के नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके निवास पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के अलावा पार्टी के वरीय नेता विजय चौधरी एवं श्याम रजक ने जाकर मुलाकात की। इसके बाद ललन सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है, नीतीश ही सीएम होंगे। वहीं, श्याम रजक ने भी स्पष्ट किया कि नीतीश ही फिर से मुख्यमंत्री होंगे।

हालिया चुनाव में भाजपा है एनडीए का सबसे बड़ा दल

भाजपा को सर्वाधिक 89 जबकि जदयू को मिली हैं 85 सीटें

एनडीए ने जीती हैं 202 सीटें

बता दें कि शुक्रवार को आए बिहार चुनाव के नतीजों में एनडीए ने 243 में से 202 सीटों जीत दर्ज की। बराबर सीटों पर लड़ी भाजपा और जदयू में ज्यादा सीटें बीजेपी के खाते में आई है। भाजपा ने 89, जदयू ने उससे थोड़ा कम 85, लोजपा-आर ने 19, हम ने 5 और रालोमो ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की।

प्रधान, जायसवाल का अलग राग

इधर, दूसरी ओर, भाजपा खुलकर नीतीश का नाम बोलने से बच रही है। बिहार चुनाव में भाजपा के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने भी एक चैनल से बातचीत में सीएम के सवाल पर नीतीश का नाम लेने से बचे। उन्होंने इतना कहा कि अगला मुख्यमंत्री एनडीए का ही होगा यह तय है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी एक-दो दिन पार्टी बिहार की जनता को धन्यवाद देने के लिए कार्यक्रम करेगी। इसके बाद सभी पार्टियों के विधायक अपना-अपना नेता चुनेंगे। फिर एनडीए के विधायक मिलकर अपना नेता चुनेंगे। जायसवाल ने कहा कि सरकार के गठन की संवैधानिक प्रक्रिया यही है। नीतीश के फिर से सीएम बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा।

क्या जदयू के बिना अन्य पार्टनर के साथ भाजपा बना सकती है सरकार?

इन नतीजों से यह सुगबुगाहट भी होने लगी क्या भाजपा जदयू को छोड़ अन्य साझीदार दलों के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने पर विचार कर सकती है? भाजपा को 89, लोजपा को 19, हम को 5, रालोम को 4 सीटो पर जीत मिली है। इन चार दलों की कुल सीटें 117 होती हैं। 243 विधान सभा सीटों वाली बिहार विधान सभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों का समर्थन चाहिए। बिहार चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और इंडियन एक्सक्लुसिव पार्टी के भी एक-एक उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। पिछले चुनाव में बसपा के टिकट पर जीतने वाले जमा खान चुनाव बाद जदयू में चले गये थे। ऐसे में इस बार भी वैसा कुछ होने की संभावना नकारी नहीं जा सकती।

कांग्रेस ने किया दावा

'बिहार चुनाव में गड़बड़ी हुई है, 2 हफ्तों में सबूत देंगे'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने शनिवार को दिल्ली में पहली समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन मौजूद रहे।

राहुल की मौजूदगी में खड़गे के यहां हुई बैठक

बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी गड़बडियों के सबूत इकट्ठा कर रही है। 2 हफ्तों में देश के सामने रखेंगे। बता दें, कांग्रेस ने इस चुनाव में 60 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन सिर्फ 6 सीटें जीत पाई। पार्टी का वोट शेयर 8.71% रह गया, जबकि 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 19 सीटें जीती थीं और 9.6% वोट मिले थे।

'कुछ तो गड़बड़ है'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार चुनाव नतीजों पर गंभीर सवाल उठाए। अजय माकन ने भी कहा, चुनाव प्रक्रिया पर शुरू से ही सवाल हैं, इसलिए ऐसे नतीजे चौंकाने वाले हैं। कांग्रेस को 1984 में भी ऐसा स्ट्राइक रेट नहीं मिला था, जैसा इस बार बीजेपी को मिला है। कुछ तो गड़बड़ है। हमारे कार्यकर्ता लगातार बता रहे हैं कि कई जगह गड़बड़ियां हुई हैं। माकन ने बताया कि गठबंधन के सभी दल इस नतीजे को 'अप्रत्याशित' मानते हैं और इसकी जांच की मांग कर रहे हैं। पार्टी समझने की कोशिश कर रही है कि बिहार में इतनी बड़ी हार क्यों हुई।

यूजीसी की शिकायत पर 'अल फलाह' के खिलाफ एफआईआर

लाल किला ब्लास्ट के बाद क्राइम ब्रांच ने कसा शिकंजा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली ब्लास्ट केस में फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी भी आरोपों के घेरे में हैं। ब्लास्ट के मास्टरमाइंड माने जा रहे डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद एजेंसियां साजिश की परतें खोल रही हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसा है। क्राइम ब्रांच ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने ये कार्रवाई यूजीसी की शिकायत पर की है। इसमें क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक एफआईआर चीटिंग की दर्ज की है। जबकि दूसरी एफआईआर फॉर्जरी की धाराओं में दर्ज की है। पुलिस ने अल फलाह यूनिवर्सिटी को एक नोटिस भेजा है। साथ ही यूनिवर्सिटी से कुछ डाक्यूमेंट्स भी मांगे गए हैं।

यूनिवर्सिटी के 15 डॉक्टर अंडरग्राउंड

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से डॉ. मुजम्मिल, लेडी डॉक्टर शाहीन सईद, यूनिवर्सिटी की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक और एचआर विभाग में कार्यरत जमील को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के बाद, लगभग 15 डॉक्टर अंडरग्राउंड हैं। इनके फोन भी बंद हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में थे।

एनडीए की सियासी लहर में मुस्लिम सियासत भी हो गई धराशयी

बिहार के इतिहास में पहली बार चुने गए केवल 11 मुस्लिम उम्मीदवार

1985 में चुनकर आए थे सर्वाधिक 34, जबकि पिछले चुनाव में बने थे 19 विधायक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा व नीतीश कुमार की आंधी में महागठबंधन का सारा सियासी किला ध्वस्त हो गया है। एनडीए की सियासी लहर में मुस्लिम सियासत भी धराशयी हो गई।

इस बार बिहार चुनाव में मुस्लिम विधायक महज 11 जीतकर आए हैं जबकि 2019 में 19 मुस्लिम विधायक जीते थे। इस तरह पिछले विधानसभा चुनाव से 8 मुस्लिम विधायक कम जीतकर आए हैं। बिहार के सियासी इतिहास 1951 से लेकर अभी तक के जितने चुनाव हुए हैं, उसमें सबसे ज्यादा मुस्लिम विधायक 1985 के चुनाव में 34 जीतकर आए थे जबकि सबसे कम संख्या में 11 मुस्लिम विधायक इस बार के चुनाव में चुने गए हैं। बिहार में करीब 18 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके लिहाज से कम से कम 44 विधायक होने चाहिए। 1951 से लेकर अभी तक इतनी संख्या में कभी भी मुस्लिम विधायक जीतकर नहीं आ सके हैं।

ओवैसी के सर्वाधिक 5 विधायक

2025 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा संख्या में मुस्लिम विधायक एआईएमआईएम से पांच जीते हैं, आरजेडी से 3 मुस्लिम विधायक चुने गए हैं तो कांग्रेस से दो मुस्लिम और जेडीयू से एक मुस्लिम विधायक चुनकर आए हैं। सीपीआई माले और चिराग पासवान की पार्टी से कोई भी मुस्लिम विधानसभा चुनाव नहीं जीत सका।

कौन-कौन मुस्लिम विधायक जीते?

बिहार में इस बार कुल 11 मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। कांग्रेस के टिकट पर किशनगंज से मोहम्मद कमरुल होदा और अररिया से अब्दुर रहमान जीते हैं। आरजेडी के टिकट पर रघुनाथपुर सीट से ओसामा शहाब, बिस्फी सीट से आरिफ अहमद और ढाका से फैजल रहमान जीते हैं। वहीं, असद्दुद्दीन ओवैसी के एआईएमआईएम के टिकट पर जोकीहाट सीट से मोहम्मद खुर्शीद आलम, बहाबुरगंज सीट से मो. तौसीफ आलम, कोचाधामन से मो. सरवर आलम, अमौर से अख्तारुल ईमान और बायसी सीट से गुलाम सरवर विधायक चुने गए हैं। दूसरी तरफ जेडीयू के टिकट पर चैनपुर सीट से मोहम्मद जमा खान से जीते, वे 2020 में बसपा के टिकट पर इसी सीट से जीते थे और बाद में जेडीयू में शामिल हो गए थे।

किसने उतारे कितने उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन दोनों ने मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया था। तेजस्वी यादव के अगुवाई वाले महागठबंधन से 30 मुस्लिम उम्मीदवार तो नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए से पांच मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में थे। महागठबंधन में आरजेडी से 18 मुस्लिम प्रत्याशी में सिर्फ तीन जीते, कांग्रेस से 10 में से सिर्फ दो ही जीते। सीपीआई माले से दो मुस्लिम मैदान में थे और दोनों ही हार गए। वहीं, एनडीए की तरफ जेडीयू ने चार और एलजेपी ने एक मुस्लिम को उम्मीदवार बनाया। एलजेपी प्रत्याशी को जीत नहीं मिली, लेकिन जेडीयू के चार में सिर्फ एक ही जीत सके हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (एआईएमआईएम) से 23 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे, जिनमें से पांच जीते हैं। इस तरह कुल 11 मुस्लिम विधायक बने हैं।

राम मंदिर ध्वजारोहण : अमिताभ, अंबानी को न्योता

अयोध्या। अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि व रामलला की दिव्य प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज विशेष अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में उद्योगपति मुकेश अंबानी, अमिताभ बच्चन और सोनू निगम जैसी जानी-मानी हस्तियों को भी न्योता भेजा गया है। प्रधानमंत्री मोदी इस बार भी मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों और कारीगरों से मुलाकात करेंगे।

हिंदू एकता यात्रा में शामिल हुईं जया किशोरी, पुंडरीक गोस्वामी

मथुरा में दिखा का जोश, शिल्पा-राजपाल भी शामिल

एजेंसी ▶▶| मथुरा

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की धर्मनगरी मथुरा में चल रही ' सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' के नौवें दिन का आगाज़ अभूतपूर्व ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्साह के साथ हुआ।

इसमें प्रसिद्ध कथावाचक जया किशोरी मथुरा से शामिल हुई हैं। यात्रा बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी, फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर और एक्टर राजपाल यादव भी शामिल हुए। इनके अलावा, मृदुलकांत शास्त्री, देवकीनंदन ठाकुर, स्वामी चिदानंद सरस्वती ने भी पदयात्रा में शिरकत की।

हुआ संत समागम

पदयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व मंच पर देश और विदेश में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करने वाले कई पूज्य संत-महापुरुषों का समागम हुआ, जिसने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। सभी संतों ने अपने ओजपूर्ण और प्रेरणादायक आशीर्वचनों से हजारों पदयात्रियों में नया जोश भरा। संतों ने सनातन संस्कृति की एकता और राष्ट्र प्रेम के महत्व को रेखांकित किया। मथुरा के संस्कृत विश्वविद्यालय में बने विराम मंच पर शिल्पा शेट्टी ने कहा- एक कॉल दूर हूं, महाराज जी... जब जरूरत हो तब याद कर लेना। आज इतनी संख्या में आप लोगों को देख कर मेरा मन बहुत ही खुश हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की मांग

यूएनएससी के कामकाज में पारदर्शिता होना बेहद जरूरी

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की जोरदार मांग की है। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को 'कार्य पद्धतियां' पर आयोजित यूएनएससी की खुली बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है, इसलिए इसके कामकाज का ईमानदार, स्पष्ट और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है।

हरीश ने कहा कि यूएनएससी की कई सहायक संस्थाओं का कामकाज अभी भी अस्पष्ट है। खासकर आतंकियों व प्रतिबंधित संस्थाओं को सूचीबद्ध करने के प्रस्तावों को खारिज किए जाने की प्रक्रिया बहुत 'धुंधली' है। उन्होंने बताया कि जिस तरह डीलिस्टिंग (सूची से हटाने) का निर्णय स्पष्ट रूप से दर्ज होता है, उसी तरह सूचीकरण प्रस्तावों को खारिज किए जाने की जानकारी सार्वजनिक नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो देश सुरक्षा परिषद में नहीं हैं, उन्हें तो इस प्रक्रिया की कोई जानकारी ही नहीं मिलती।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यूटर्न

महंगाई के दबाव को कम करने के लिए बीफ कॉफी और ट्रॉपिकल फलों से हटाए टैक्स

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा आर्थिक कदम उठाते हुए बीफ, कॉफी और ट्रॉपिकल फलों पर लगे शुल्क खत्म कर दिए हैं। शुक्रवार को जारी एक कार्यकारी आदेश के जरिए ट्रंप प्रशासन ने इन प्रमुख खाद्य वस्तुओं को आयात शुल्क से मुक्त करने की घोषणा की। ट्रंप के इस फैसले का मकसद रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजों की कीमतों में राहत पहुंचाना है क्योंकि पिछले कुछ महीनों से उपभोक्ता लगातार महंगाई को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे। खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाला है और यह मुद्दा आम अमेरिकी परिवारों की प्राथमिक चिंता बन गया है।

कैलिफोर्निया विवि की फंडिंग नहीं रूकेगी

अमेरिकी अदालत ने एक फैसले में कहा कि ट्रंप प्रशासन फिलहाल कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसी) की संघीय फंडिंग न तो तुरंत रोक सकता है और न ही उस पर जुर्माना लगा सकता है। यह रोक सैन फ्रांसिस्को की संघीय जज रीटा लिन ने लगाई, जिन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों की याचिका पर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की।

एपस्टीन मामले में जांच आगे बढ़ेगी

अमेरिका में जेफ्री एपस्टीन के मामले में ट्रंप के कहने पर अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने न्यूयॉर्क के टॉप फेडरल प्रॉसिक्यूटर जे क्लेटन को जेफ्री एपस्टीन के रिश्तों की जांच शुरू करने का आदेश दिया है। यह जांच खासतौर पर उन राजनीतिक लोगों पर केंद्रित होगी, जिन्हें ट्रंप अपने विरोधी बताते हैं जैसे पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन।

सहकारी समिति आंदोलन : डेढ़ दर्जन पदाधिकारी बर्खास्त, भीख मांगकर जताया विरोध

संभागस्तरीय धरना का 13वां दिन, चार सूत्रीय मांग को लेकर हड़ताल, तूता में धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं इसलिए महासमुंद में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

प्रदेशभर के सहकारी समिति के कर्मचारी अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर इन दिनों संभागस्तरीय आंदोलन पर हैं। रायपुर संभाग के कर्मचारियों को नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने से रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के हड़ताली कर्मचारी महासमुंद में धरना दे रहे हैं। संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन के 13वें दिन आंदोलन कर रहे सहकारी कर्मचारी, कंप्यूटर आपरेटरों में महासमुंद में भीख मांगकर विरोध जताया। इधर राज्य शासन ने प्रदेशभर में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को देखते हुए सहकारी समिति के कर्मचारियों की हड़ताल को अवैध घोषित करते हुए एस्मा लगा दिया है। वहीं डेढ़ दर्जन पदाधिकारियों को आदेश की नाफरमानी करने पर बर्खास्त कर दिया है।

■ रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के हड़ताली कर्मचारियों का महासमुंद में प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति संघ के प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। हड़ताल पर रहने वाले प्रदेश अध्यक्ष व धमतरी सहकारी समिति के प्रबंधक नरेंद्र

साहू, महासचिव व राजनांदगांव के प्रबंधक ईश्वर श्रीवास, पैक्स सोसायटी चांपा के प्रबंधक गोविंद नारायण मिश्रा, संघ के कोषाध्यक्ष जागेश्वर साहू सहित राजनांदगांव के किशनू देवांगन व रीपा सहकारी समिति तखतपुर के प्रबंधक पर एक्शन लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक हड़ताली कर्मचारियों से चर्चा की गई पर वे अपनी मांगों पर अडिग बने हुए हैं।

छत्तीसगढ़ी सहकारी समिति कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ समर्थन मूल्य धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर संघ के आव्हान पर 3 नवंबर से 4 सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति के 15 हजार कर्मचारी, 2700 कंप्यूटर आपरेटर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। हड़ताली कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि धान खरीदी वर्ष 2023-24 और 2024-25 में धान खरीदी के बाद संपूर्ण सूखत राशि समितियों को प्रदान किया जाए। धान खरीदी में विलंब के लिए प्रत्येक सप्ताह संपूर्ण धान परिवहन सुनिश्चित करने की मांग, समर्थन मूल्य में धान खरीदी के शार्टेज, प्रोत्साहन, कमीशन और सुरक्षा व्यय को बढ़ाया जाए तथा मध्यप्रदेश की तर्ज पर उचित मूल्य विक्रेताओं को 3 हजार प्रतिमाह मानदेय देने, आउटसोर्सिंग से कंप्यूटर आपरेटर के नियोजन को विलोपित कर सालों से काय कर रहे धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटरों का विभाग तय कर नियमितीकरण करने की मांग शामिल है।

मुंबई की राह होगी और आसान, एक फरवरी से इंडिगो की चौथी नियमित उड़ान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

नए साल में रायपुर-मुंबई के बीच सफर करने वाले यात्रियों को नई फ्लाइट का विकल्प मिलेगा। दोनों शहरों के बीच यात्रियों की काफी संख्या को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस एक फरवरी से चौथी उड़ान शुरू करने की तैयारी में है। यह फ्लाइट दोपहर के शेड्यूल में आवाजाही करेगी। चौथी फ्लाइट आने के बाद यात्रियों का सफर और आसान होने की उम्मीद है।

■ दोपहर के शेड्यूल में होगी नियमित आवाजाही, लंबे समय से था इंतजार

रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों से संचालित होने वाली फ्लाइटों में दिल्ली, मुंबई की डिमांड काफी रहती है। दिल्ली के लिए अब नियमित रूप से आठ उड़ान का संचालन किया जाता है। अभी मुंबई रायपुर के बीच निजी एयरलाइंस अपनी तीन उड़ानों का संचालन करता है। सामान्य दिनों में भी दोनों शहरों के बीच का किराया दस हजार से अधिक होता है और पीक सीजन में तो इसका किराया दो से ढाई गुना तक पहुंच जाता है। यात्रियों की संख्या और डिमांड को ध्यान में रखते हुए इंडिगो ने रायपुर से नवी मुंबई के बीच एक फरवरी से चौथी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। यह फ्लाइट दोपहर के शेड्यूल में आवाजाही करेगी। रायपुर-मुंबई के बीच विमानों की संख्या बढ़ाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। दो साल पहले एयर इंडिया की मुंबई-रायपुर- विशाखापट्नम की उड़ान बंद होने के बाद दोनों शहरों के बीच का चौथा संपर्क टूटा था। एक फरवरी से शुरू होने वाली यह फ्लाइट 6ई 2283 बनकर नवी मुंबई से दोपहर 12.50 बजे रवाना होकर 14.35 बजे रायपुर में लैंड होगी। वहीं वापसी के दौरान 6ई22844 बनकर यह दोपहर 3.05 बजे टेकऑफ होकर शाम 5.05 बजे मुंबई में लैंड होगी। विमानन अधिकारियों के अनुसार यह समय व्यापारी, छात्रों और मेडिकल ट्रैवलर्स के लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। वर्तमान में रायपुर से मुंबई की तीन फ्लाइट सुबह 8.40 बजे, 9.40 और शाम 5.355 बजे संचालित होती है।

20 नवंबर को प्रभावित रहेगी उड़ान

मुंबई एयरपोर्ट में मानसून के बाद होने वाले रखरखाव की वजह से 20 नवंबर को विमानों का ऑपरेशन छह घंटे प्रभावित रहेगा। सुबह 11 से शाम 5 बजे तक रनवे बंद रहने की वजह से इस अवधि में आवाजाही करने वाले विमानों को री-शेड्यूल के साथ स्थगित भी किया जाएगा। इस अवधि में रायपुर के लिए आवाजाही करने वाली एक उड़ान प्रभावित रहेगी।

क्राइम कंट्रोल करने आईजी, एसएसपी ने ली पुलिस अफसरों की मैराथन बैठक

महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित डीजी कान्फ्रेंस की सुरक्षा को लेकर मीटिंग में मंथन

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

राजधानी सहित रेंज में अपराधों की रोकथाम के लिए शनिवार को आईजी अमरेश मिश्रा, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ थानों के टीआई, चौकी प्रभारियों की मैराथन बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही इस महीने के अंतिम सप्ताह में नवा रायपुर में आयोजित डीजी कान्फ्रेंस में शामिल होने देश के सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक आ रहे हैं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। डीजी कान्फ्रेंस के साथ प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री की सुरक्षा को लेकर बैठक में चर्चा की गई। बैठक सुबह 11 से शाम पांच बजे तक चली।

ठंड के सीजन शुरू होने के साथ ही चोरी करने वाले इंटर स्टेट गिरोह सक्रिय होकर चोरी करने पहुंचते हैं। राजधानी में पिछले पांच वर्षों में ऐसे इंटर स्टेट गिरोह ने जो चोरी की घटनाओं को अंजाम दिए हैं, उनकी सूची के आधार पर उन चोर गिरोह की वर्तमान स्थिति की पतासाजी कर उनकी निगरानी करने निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही शहर के आउटर की कालोनी के साथ सभी बीएसयूपी कालोनी की निरंतर जांच कर संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई करने पुलिस अफसरों के साथ संबंधित थानों के टीआई को आईजी, एसएसपी ने निर्देश दिए हैं।

आईजी ने रेंज के सभी पुलिस अफसरों को अपने क्षेत्र में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ ऑपरेशन 'निश्चय' के तहत अभियान चलाकर कार्रवाई तेज करने निर्देश दिए हैं। इसके अलावा पुराने तस्कर जो जेल से जमानत पर छूटे हैं, उनकी निगरानी करने के साथ मादक पदार्थ बेचते पाए जाने पर कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं। आईजी ने अवैध रूप से आदतन मादक पदार्थ खरीदी-बिक्री करने वालों की सूची तैयार कर देने निर्देश दिए हैं। ऐसे तस्करों के खिलाफ पिट एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल भेजने के साथ संपत्ति राजसात की जाएगी। शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ दोनों पुलिस अफसरों ने सख्ती से निपटने निर्देश दिए हैं। ठंड शुरू होने के साथ चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आए दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए संबंधित थानों की पुलिस के साथ बीट प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में रात के समय गश्त तेज करने निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सूने मकानों की पहचान कर उस क्षेत्र में लगातार गश्त करने के साथ ही मुखबिर के माध्यम से जानकारी जुटाने निर्देश दिए गए हैं। पिछले दिनों जगदलपुर, धमतरी में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले मध्यप्रदेश का धार गिरोह रायपुर में चोरी करने पहुंचा था। धार गिरोह के आमद की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आउटर के थाना क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी थी।

प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार करने की कवायद तेज

सबसे पहले सभी मोर्चा की कार्यकारिणी बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बिहार का चुनाव निपटने के बाद अब प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार करने की कवायद तेज हो गई है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बिहार चुनाव में लगातार चार माह लगे रहने के बाद जब लौटे, तो उन्होंने यहां पर संगठन की बैठक लेकर संगठन के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने सबसे पहले सभी मोर्चा के अध्यक्षों को अपनी कार्यकारिणी जल्द से जल्द बनाने का फरमान सुनाया है। इसी के साथ अब सबसे अहम कार्यसमिति का ऐलान होना है। इसके अलावा अब तक प्रकोष्ठों में बदलाव नहीं हो सका है। प्रकोष्ठों में संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाने हैं। इसको लेकर भी तैयारी की जा रही है।

प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी का लंबे इंतजार के बाद बीते माह 13 अगस्त को ऐलान हुआ है। इसमें बड़ा बदलाव किया गया है। डेढ़ दर्जन से ज्यादा नए चेहरों को इसमें रखा गया है। इसके पीछे का कारण यह है कि पुराने पदाधिकारियों को नए पद मिल चुके हैं। ऐसे में इनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। अब कार्यकारिणी के बाद सबसे अहम कार्यसमिति के सदस्य बनाने का काम करना है। इसका ऐलान अब तक नहीं हो सका है। अब इसको लेकर भी कवायद प्रारंभ की गई है।

संगठन के विस्तार में सबसे बड़ा फोकस संगठन के सात मोर्चों की कार्यकारिणी पर है। मोर्चों में सबसे अहम भाजयुमो, महिला मोर्चा और किसान मोर्चा को माना जाता है। इसी के साथ बाकी के चार मोर्चा भी महत्वपूर्ण हैं। सभी के अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश के संगठन के महामंत्री पवन साय की बैठक हो चुकी है। सभी से जल्द से जल्द अपनी कार्यकारिणी बनाने के लिए कहा गया है। ज्यादातर कार्यकारिणी का ऐलान इस माह के अंत तक करना है। कोई कार्यकर्रिणी बच जाएगी तो उसका ऐलान अगले माह के पहले सप्ताह तक कर दिया जाएगा।

इस समय भाजपा की जो कार्यसमिति है, उसमें कई नाम ऐसे हैं जिनको जहां दूसरे पद मिल गए हैं, वहीं जिन पुराने सांसदों को कार्यसमिति में रखा गया था, अब वे सांसद नहीं हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय संपदा शाखा, साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
फोन नं. 221288-222672, फैक्स :- 07759-221288, 221929
Website: www.korbamunicipal.in, Email ld-corporationkorba@gmail.com

फा.क्र./15/संपदा/2025/12439 कोरबा, दिनांक 10.11.25

नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न स्थलों में निर्मित भवन हॉल के आबंटन हेतु निविदा की आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम कोरबा के (1) आई.डी.एस.एम.टी. योजना काम्पलेक्स घंटाघर स्थित प्रथम मंजिल हाल संख्या -03, (2) व्यावसायिक केन्द्र स्थित ब्लाक डी हॉल संख्या-01 (03) गीतांजली भवन द्वितीय मंजील हॉल संख्या 01 एवं (4) विकास भवन प्रथम मंजिल हॉल-01 का नियमित रूप से रख-रखाव के साथ-साथ संचालन हेतु जन सामान्य / विभिन्न संस्थाओं / शासकीय व अर्द्धशासकीय विभागों तथा व्यक्ति से, मासिक किरायेदारी पर यथा-स्थिति आबंटन शर्तों के तहत 03 वर्षीय लीज अवधि की किरायेदारी पर उपलब्ध कराने हेतु उच्चतम मासिक किराये ऑफर निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा हेतु इच्छुक संस्था/फर्म सुरक्षा राशि रूपये 1,00,000/- (एक लाख रूपये) जमा कर उक्त के रसीद की प्रतिलिपि संलग्न करते हुये दिनांक 16/12/2025 अपरान्ह 3:00 बजे तक निविदा ऑफर बंद लिफाफे में प्रस्तुत कर सकते है, निविदा उसी दिनांक को उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष सायं 04.00 बजे खोली जावेगी।

निविदाकर्ता निविदा के 01 दिवस पूर्व अर्थात दिनांक 15/12/2025 तक निविदा प्रपत्र 1,000/- (एक हजार रूपये) शुल्क जमाकर कार्यालयीन दिवस एवं समय पर कार्यालय से प्राप्त कर सकते है तथा सुरक्षा राशि 1,00,000/- (एक लाख रूपये) का डी.डी./बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से कार्यालय में जमा कर उक्त के रसीद की प्रति निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करते हुये निविदा में भाग ले सकते हैं। आबंटन हेतु निर्धारित शर्तों का विवरण निगम की वेबसाईड www.korbamunicipal.in पर अवलोकन किया जा सकता हैं तथा विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पालिक निगम कोरबा के संपदा शाखा (दुकान) से ली जा सकती है। भवन हाल का विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	काम्पलेक्स का नाम	रिक्त हॉल की संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	क्षेत्रफल (वर्गमीटर में	अमानत राशि	निर्धारित मासिक किराया राशि
1	आई.डी.एस.एम.टी. काम्पलेक्स हॉल	3	1885	175.19	100000	16500
2	विकास भवन प्रथम मंजील हॉल	1	2100	195.17	100000	17500
3	व्यावसायिक केन्द्र स्थित ब्लाक डी हॉल	1	1580	146.84	100000	20500
4	गीतांजली भवन ब्लाक डी द्वितीय मंजील हॉल	1	2376	220.82	100000	16500

नोट :-01. संलग्न शर्तें किरायेदारी निविदा का अंग माना जावेगा। 02. भवन हाल को यथा स्थिति आधिपत्य में लेना होगा। 03. सुरक्षा राशि जमा रसीद की प्रतिलिपि निविदा प्रपत्र के साथ अनिवार्य रूप से जमा करना होगा तथा उक्त रसीद क्रमांक व दिनांक का उल्लेख निविदा प्रपत्र की लिफाफे के ऊपर स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा।

प्र.संपदा अधिकारी
नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

राशिफल

मेष – नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष – वाणी में सौम्यता रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क – मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है।

कन्या – धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, परन्तु स्थान परिवर्तन की सम्भावना भी बन रही है।

तुला – सन्तान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा लाभप्रद रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

वृश्चिक – नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति के लिए प्रयासरत रहें। क्रोध से बचें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय वृद्धि होगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन की प्राप्ति

मकर – कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

कुंभ – कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी सम्पत्ति से धन प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयत रहें।

मीन – कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार से दूर जा सकते हैं।

कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री को खून से लिखा पत्र, 400 यूनिट तक बिजली बिल हॉफ करने की मांग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बिजली बिल हॉफ योजना को पहले की तरह 400 यूनिट तक करने की मांग को लेकर राजधानी रायपुर में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को खून से पत्र लिखा। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना को कम करके सौ यूनिट कर दिया गया है। इसका लाभ किसी को नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस की सरकार में कितनी भी खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ता का 400 यूनिट तक बिल हॉफ लगता था, लेकिन भाजपा सरकार ने उपभोक्ताओं का यह हक छीन लिया है। जब तक सरकार वापस 400 यूनिट तक बिल हॉफ नहीं करेगी, हम लगातार आंदोलन करते रहेंगे। विकास उपाध्याय ने कहा, छत्तीसगढ़ की जनता महंगाई की मार झेल रही है, ऐसे में छत्तीसगढ़ वासियों को साय सरकार अगर चाहती तो पूर्व की कांग्रेस सरकार की बिजली बिल योजना को लागू कर बिजली बिल में राहत दे सकती थी, लेकिन विधानसभा चुनाव के समय अपने घोषणा पत्र में बिजली बिल हॉफ योजना लागू करने की बात कह कर जनता से वोट ले लिया और बिजली बिल हॉफ योजना का लाभ देने के नाम पर उनके विश्वास का खून किया जा रहा है। एक तरफ महतारी वंदन योजना के नाम पर 1000 रुपए देकर बिजली के माध्यम से कई गुना ज्यादा वसूली कर रही है। भाजपा सरकार बिहार में चुनाव होने पर फ्री बिजली की बात कहती है और जिन राज्यों में चुनाव हो चुके हैं, वहां कई गुना बिजली बिल वसूल रही है। भाजपा केवल वोट के लिए राजनीति करती है और जनता के विश्वास का फायदा उठाना भली भांति जानती है, लेकिन जनता अब महंगी बिजली बिल को लेकर आक्रोशित है, जिसका आने वाले दिनों में भाजपा के जनप्रतिनिधियों को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

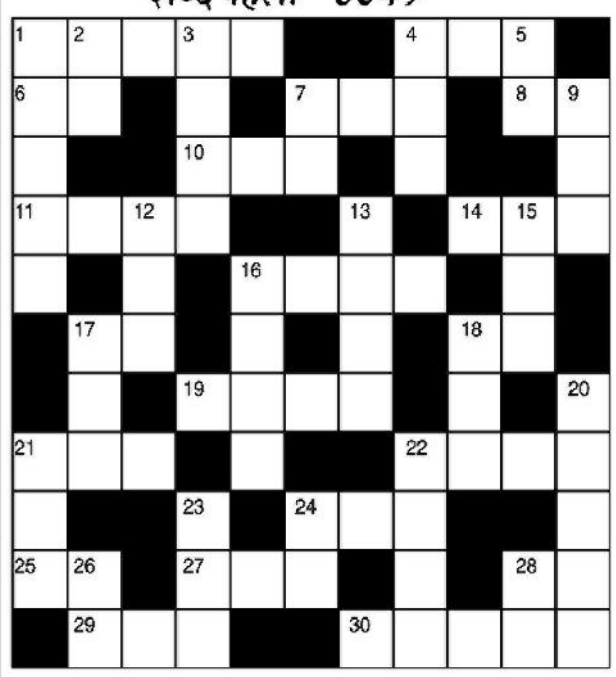

शब्द पहेली - 6049

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-6048 का हल

सूडोकु नवताल - 6059

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6058 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

तरकश

संजय के दीक्षित

नारी शक्ति और कलेक्टरों की परीक्षा

छत्तीसगढ़ सरकार ने खजाने का करीब 10 हजार करोड़ रुपए बिचैलिये और भ्रष्ट तंत्र की जेब में जाने के खिलाफ कमर कस लिया है। इसके लिए फूड सिकरेट्री रीना बाबा कंगाले और मार्कफेड एमडी किरण कौशल की जोड़ी इस बार मुस्तैद हैं। कलेक्टरों को भी बार-बार फरमान जा रहा है। चीफ सिकरेट्री विकास शील खुद सिकरेट्री फूड रह चुके हैं, वे लगातार मॉनटरिंग कर रहे। जाहिर है, धान खरीदी अगर अबकी 120 लाख मीट्रिक टन पर रुक गया तो भ्रष्टाचार पर बड़ी चोट होगी ही, आर्थिक मोर्चे पर इस सरकार की सबसे बड़ी कामयाबी होगी। क्योंकि, सरकारी खजाने की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। आज की तारीख में मार्कफेड पर 38 हजार करोड़ का लोन है और पिछले सीजन में ओवर परचेजिंग से 8 हजार करोड़ की चपत लग चुकी है। दरअसल, दिक्कत किसान और धान से नहीं, दिक्कत धान की रिसाइकिलिंग और राईस माफियाओं के खेल से है। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का ग्राफ इस तेजी से बढ़ रहा कि अच्छे-अच्छे कृषि वैज्ञानिक हैरान हैं। 2002-03 में मात्र 18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। 20 साल में यह नौ गुना बढ़ गई। जबकि, खेती का रकबा तेजी से कम हो रहा है। ये कहना भी कुतर्क होगा कि रेट बढ़ने से धान ज्यादा बोए जा रहे हैं। आखिर पहले भी सिर्फ धान बोए जाते थे...और कोई फसल लगाए नहीं जाते थे कि उसे बंद कर अब धान बोया जा रहा। जाहिर है, 2024-25 में सारे रिकार्ड तोड़ते हुए धान खरीदी 149 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गई। जबकि, जानकारों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में वास्तविक धान 100 से 110 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा नहीं होना चाहिए। याने बिचैलियों और अधिकारियों की मिलीभगत से की जाने वाली रिसाइकिलिंग, पटवारियों की कृपा से कागजों में पैदावार लेना और दूसरे प्रदेशों से आने वाले अवैध धानों को रोक दिया जाए तो सीधे-सीधे 30 से 35 लाख मीट्रिक टन की फर्जी खरीदी रुक जाएगी। यह करीब 10 हजार करोड़ रुपए का होता है, जिसे राईस माफिया, राईस मिलर्स, अफसर और पॉलिटिशियन हजम कर जाते हैं। निश्चित तौर पर फर्जी धान खरीदी रोकने में दोनों महिला अधिकारियों के साथ कलेक्टरों की परीक्षा होगी। जो कलेक्टर जितना ज्यादा सक्रिय होकर कार्रवाई करेगा, उस जिले में कम फर्जी खरीदी होगी।

नितिन डिप्टी सीएम!

छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नबीन बिहार के बांकीपुर सीट से रिकार्ड मतों से चुनाव जीत गए हैं। 50 हजार से अधिक वोटों से चुनाव जीतने वाले आठ नेताओं के क्लब में उनका भी नाम है। पटना जिले के इस सीट से वे लगातार पांचवी बार चुने गए हैं। उससे पहले उनके पिता नवीन किशोर सिनहा 1995 से विधायक थे। उनके निधन के बाद उपचुनाव में पार्टी ने 2006 में नितिन को टिकिट दिया और उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2020 के चुनाव में उन्होंने फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिनहा के बेटे को बड़े मतों के अंतर से पराजित किया था। बहरहाल, नितिन की लोकप्रियता बिहार में तो है ही, अपने राजनीतिक कौशल से शीर्ष नेतृत्व का ध्यान भी खींचा है। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों ने उनका काम देखा। सूबे का शायद ही कोई ब्लॉक होगा, जहां वे नहीं गए। चुनाव का कंप्लीट मैदानी कमान उन्होंने अपने हाथ में ले ली थी, और पूरा छत्तीसगढ़ छान मारा। इसका उन्हें ईनाम भी मिला। ओम माथुर की जगह उन्हें प्रमोट कर सह प्रभारी से प्रभारी बनाया गया। पिछले साल नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ सरकार बनाई तो उसमें उन्हें कैबिनेट मंत्री का दायित्व मिला। और अब...बिहार में एनडीए की सुनामी के बाद उन्हें डिप्टी सीएम बनाने की अटकलें तेज हो गई है। फार्मूला यह है कि नीतीश मुख्यमंत्री बनेंगे तो जनरल और एससी से दो उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। सामान्य वर्ग में नितिन नबीन से बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता, वहीं अनुसूचित जाति से लोक जनशक्ति पार्टी से कोई एक डिप्टी सीएम बनेगा। नितिन नबीन अगर बिहार के उप मुख्यमंत्री बने तो फिर उनके पास छत्तीसगढ़ के लिए टाईम नहीं बचेगा। ऐसे में, हो सकता है कि छत्तीसगढ़ में किसी और नेता को प्रभारी नियुक्त किया जाए।

बांकीपुर में छत्तीसगढ़

चूकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं, सो स्वाभाविक तौर पर उनके प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में नेताओं, मंत्रियों, विधायकों की फौज बांकीपुर पहुंची थी। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला 10 दिन तक लगातार वहां कैंप किए तो पार्टी के स्टेट प्रेसिडेंट किरण सिंहदेव, डिप्टी सीएमद्वय अरुण साव, विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चैधरी, विधायक गोमती साय, मोतीलाल साहू, राम गर्ग, राजीव अग्रवाल, राजा पाण्डेय, नीलू शर्मा समेत दो दर्जन से अधिक नेताओं ने वहां प्रचार किया। खासकर, कलेक्टर-टू-मंत्री के नाम से ओपी ने वहां खूब शमां बांधा।

पवन साय को अहम जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय को पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, यह टेम्पोरेरी दायित्व है मगर सुनने में आ रहा...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए उन्हें वहां की पूर्णकालिक जिम्मेदारी दी जा सकती है। पवन साय संघ के काफी कर्मठ चेहरा रहे हैं। इसीलिए उन्हें छत्तीसगढ़ बीजेपी का संगठन मंत्री बनाया गया था। उन्होंने अपना काम भी दिखाया। उधर, वेस्ट बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में काफी पसीना बहाने के बाद बीजेपी सत्ता तक नहीं पहुंच पाई। किन्तु इस बार बीजेपी और संघ की कोर टीम दो साल पहले से काम प्रारंभ कर दिया है। आरएसएस के टॉप फाइव में शामिल रामदत्त चक्रधर के पास इस समय पश्चिम बंगाल का प्रभार है। रामदत्त भी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। और अगर पवन साय गए तो वे छत्तीसगढ़ के दूसरे शख्सियत होंगे, जिन्हें पश्चिम बंगाल में अहम जिम्मेदारी मिलेगी।

ब्यूरोक्रेसी और वक्त

छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में एक वक्त वो भी था, जब मुख्यमंत्री ने एक जनवरी 2025 को मंत्रालय में मीटिंग लेकर अफसरों की टाईमिंग ठीक न होने को लेकर स्पष्ट रूप से इशारा किया था। उसके बाद कुछ हद तक मंत्रालय आने-जाने का टाईम सुधरा। लेकिन बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। अलबत्ता, सवाल उठाया गया...आईएएस लाईन लगाकर थंब इंप्रेशन कैसे लगाएगा। तत्पश्चात जीएडी ने मोबाइल में ऐप्प अपलोड करने का विकल्प दिया, उसमें मंत्रालय के भीतर आते ही अपने आप अटेंडेंस लग जाता। मगर इसके लिए भी कोई टस-से-मस नहीं हुआ। मगर अब एक दिसंबर से सचिवालय का एक नंबर गेट, जहां से अफसर प्रवेश करते हैं, वहां के लिए बायोमेट्रिक मंगा लिया गया है। दो-चार दिन में उसका ट्रॉयल प्रारंभ हो जाएगा। दरअसल, चीफ सिकरेट्री विकास शील ने ज्वाईन करते ही साफ कह दिया था कि दिल्ली की तरह मंत्रालय में भी बायोमेट्रिक लगाया जाए। दिल्ली में मुख्य सचिव के समकक्ष भारत सरकार के सचिव से लेकर सेक्शन ऑफिसर और बाबू तक थंब लगाते हैं, फिर भीतर जाते हैं। खैर, छत्तीसगढ़ के नौकरशाहों ने वक्त को भांप लिया है। वैसे भी ब्यूरोक्रेट वक्त को भांपने और उसके हिसाब से आस्था और निष्ठा बदलने में माहिर होते हैं।

अफसरशाही को संरक्षण

जाहिर सी बात है, सरकार पॉलिसी और प्लान बनाती है और उसका क्रियान्वयन अफसरशाही करती है। यह भी सत्य है कि अफसरशाही तभी अपना सर्वस्व दांव पर लगाती है, जब उसे सत्ता प्रतिष्ठान से संरक्षण मिले। मध्यप्रदेश के दौर में अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के दौर में ये देखा गया और छत्तीसगढ़ बनने के बाद अजीत जोगी तथा रमन सिंह के समय भी ऐसा हुआ। अफसरशाही में ऐसा नहीं कि सभी भ्रष्ट और निकम्मा हो। सभी कैडर में 10 से 15 परसेंट अफसर साफ-सुथरी छबि के होते हैं तो 25 से 30 परसेंट बैलेंस। यही अफसर किसी भी सरकार के बैक बोन्स होते हैं। 10 से 15 परसेंट वाले आक्रमक बैटिंग करते हैं और 25 से 30 परसेंट पिच पर टिके होते हैं। कई बार अच्छा करने के बावजूद मानवीय चूक हो जाती है। ऐसे में, उनका इंटेंशन अगर गलत नहीं हो तो सरकारों आंख मूंदना पड़ता है। हालांकि, एक कलेक्टर के मामले में राज्य सरकार ने भी ये किया है। मगर इसका वैसा मैसेज नहीं गया, जैसा कि होना चाहिए...ब्यूरोक्रेसी के फारवर्ड प्लेयर अभी भी उस तरह के अश्वस्त नहीं हैं, जैसा कि होना चाहिए। वरना, रिजल्ट कम-से-कम 30 परसेंट और ज्यादा दिखता। दरअसल, परसेप्शन बन गया है, कुछ हुआ तो कौन बचाएगा, इसलिए उतना ही खेलो, जिसमें विकेट बचा रहे। पिछली कांग्रेस सरकार में यही हुआ, जिसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। और अभी भी हालत बहुत ज्यादा नहीं बदला है। याद होगा, सरकार बनने के कुछ महीने बाद एक नेत्री के पति के अवैध रेत परिवहन पर शिकंजा कसने पर एक आईएएस एसडीएम लक्ष्मण तिवारी को सूरजपुर से हटाकर 900 किलोमीटर दूर सुकमा भेज दिया गया था। इससे आहत होकर वे अपना कैडर ट्रांसफर करा बिहार चले गए। इससे नौकरशाही अभी उबरी नहीं है। उपर से सोशल मीडिया पर सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोग लगातार हमलावर हैं। यहां तक कि सीएम सचिवालय को भी नहीं बख्शा जा रहा और सत्ता, संगठन में बैठे लोग मौन हैं। ऐसे में, कोई अफसर जोखिम लेकर कैसे काम करेगा? सवाल गंभीर है। सत्ता और संगठन को इसे नोटिस में लेना चाहिए।

प्रभारी मंत्री, सचिव का औचित्य

मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद छत्तीसगढ़ में चार-पांच साल प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिवों का सिस्टम चला मगर उसके बाद अब यह नाम के लिए बच गया है। न किसी मंत्री को अपने प्रभार वाले जिले से मतलब होता, और न ही प्रभारी सचिवों को अपने जिले का जायजा से कोई वास्ता। मध्यप्रदेश के दौर में दो-तीन महीने में एक बार प्रभारी मंत्री अपने जिलों का दौरा कर लेते थे। दिग्विजय सिंह ने जिला सरकार बनाया था, उसमें प्रभारी मंत्रियों की मौजूदगी अनिवार्य होती थी। तब फ्लाइट भी नहीं थी। मंत्री अमरकंटक, महानदी या फिर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से रातभर का सफर कर छत्तीसगढ़ आते थे। और अब...? छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे जिले हैं, जहां कई-कई महीने से प्रभारी मंत्रियों ने झांकने की जरूरत नहीं समझी। मंत्री या तो रायपुर में रहते हैं या फिर सीधे अपने विधानसभा भागते हैं...मानो प्रदेश के मंत्री नहीं, अपने विधानसभा क्षेत्र के मंत्री हो गए हों। प्रभारी सचिवों का हाल तो और खराब है। पिछले दो दशक से हर सरकार और मुख्यमंत्री के तरफ से फरमान जारी होता है...प्रभारी सचिव अपने जिलों में रात्रि विश्राम करेंगे, मीटिंग लेंगे। मगर इसमें खानापूर्ति के अलावा कुछ नहीं होता। मुख्यमंत्री या किसी वीआईपी का दौरा हुआ तो सचिव की इच्छा हुई तो जाएंगे वरना वो भी नहीं।

प्रभारी सचिवों का जुगाड़

सरकार सचिवों की उपलब्धता की दृष्टि से प्रभारी सचिवों की नियुक्ति करती है मगर इसमें भी बड़ा जुगाड़ चलता है। अधिकांश सीनियर या जोर-जुगाड़ वाले आईएएस रायपुर के आसपास के जिले ले लेते हैं, ताकि रात रुकने की जरूरत ना पड़े...साल में घूमने-घामने का मन हुआ तो एकाध बार चक्कर लगाकर शाम तक रायपुर लौट जाएं। मगर प्रशासनिक रिफार्म के क्रम में राज्य सरकार प्रभारी सचिवों की लिस्ट बनाने में थोड़ी सख्त हुई है। इस बार जो लिस्ट जारी होगी, वह शायद जुगाड़ वाली न हो। सरकार चाहती है कि जनता से सीधे जुड़े विभागों के सचिवों को सरगुजा और बस्तर जैसे जिलों का दायित्व दिया जाए, ताकि आने-जाने के दौरान रास्ते में पड़ने वाले जिलों पर भी उनकी नजर रहे। चलिये, ये अच्छा प्रयास है।

मोदी ड्रेस

छत्तीसगढ़ के पॉलिटिशियन के लिए खुशी की बात है कि मोदीजी का ड्रेस डिजाइन करने वाली टेक्सटाइल कंपनी जेड ब्लू छत्तीसगढ़ में इंवेस्ट करने के इच्छुक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गुजरात दौरे में कंपनी के प्रोप्राइटर ने उनसे मुलाकात की। चलिये, अच्छी बात है पीएम नरेंद्र मोदी के स्टाईल का कुर्ता, पायजामा और जैकेट अब छत्तीसगढ़ में बनेगा और यहां के नेताओं के लिए सुलभ होगा।

सीआईसी की ऐसी नियुक्ति

बिलासपुर हाई कोर्ट ने मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के खिलाफ लगी याचिका को खारिज कर इस रास्ते की बड़ी बाधा दूर कर दी है। याने किसी भी दिन अब सलेक्शन कमेटी की मीटिंग होगी और सीआईसी, आईसी की नियुक्ति हो जाएगी। बहरहाल, इस घटना से 2017 में हुए सीआईसी की नियुक्ति का प्रसंग याद आ गया। रिटायर आईएएस एमके राउत को सीआईसी बनाना था। सरकार ने फैसला ले लिया था मगर राज्यपाल बलरामदास टंडन इलाज के सिलसिले में दिल्ली में थे। उनसे नोटिफाई कराने फ्लाइट से एक मुलाजिम को दिल्ली भेजा गया और उनके हस्ताक्षर होने के अगले दिन रविवार का दिन था। कोई जोर-जुगाड़ या सिफारिश लगाए, उससे पहले सरकार ने 11 बजे नियुक्ति का आदेश निकाल दिया था। राज्यपाल दिल्ली से लौटे तो बात शपथ की आई। राजभवन ने कहा, इतना जल्दी कैसे संभव होगा। सबको सूचित करना होगा। इस दौरान राउत तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को थैंक्स बोलने पहुंचे। उन्होंने पूछा...ज्वाईन कर लिए। राउत बोले...सर अभी शपथ नहीं हुआ है। क्यों? राउत ने वास्तविकता बताई। इस पर रमन सिंह पास में खड़े ओएसडी से बोले, राजभवन फोन लगाओ। और अगले दिन का टाईम शपथ के लिए मुकर्रर हो गया। बहरहाल, सब कुछ ठीक रहा तो अमिताभ जैन अगले हफ्ते किसी दिन शपथ ग्रहण कर लेंगे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन अपाइंटमेंट की प्रक्रिया शुरू होने में सिस्टम कोई हड़बड़ी क्यों नहीं दिखा रहा?

2. क्या ये सही है कि महिला मित्र को तीन करोड़ का बंगला गिफ्ट करने वाले मंत्रीजी पार्टी के हिट लिस्ट में सबसे उपर हैं?

प्रथम पृष्ठ का शेष

बंगला फ्री था,...

करनी पड़ती है। हैरानी की बात ये है कि पिछले 10 साल से इन हजारों सरकारी बंगलों से निगम ने फूटी कौड़ी तक नहीं ली। 2016-17 में नगर निगम द्वारा शहरभर में कराए गए जीआईएस सर्वे के दौरान यह बात सामने आई। तब पता चला यहां तो दिया तले अंधेरा वाली स्थिति बनी है। सूत्रों के मुताबिक 2010 से पहले नगर निगम में राजस्व वसूली का मेनुवल सिस्टम चलता था, उस दौरान इन सरकारी बंगलों में जल शुल्क, समेकित कर की वसूली होती थी या नहीं, इसका रिकार्ड भी निगम के अलग-अलग जोन में सुरक्षित नहीं है। नगर निगम के राजस्व महकमे के अफसरों के मुताबिक 10 जोन में से 3 जोन ऐसे हैं, जहां सरकारी आवास विशिष्ट जनों के लिए बनाकर आवंटित किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा सरकारी बंगला जोन 4 में 1100 हैं। इसी तरह जोन 2 में देवेंद्र नगर स्थित आफिसर कालोनी हैं, जहां पर 140 सरकारी क्वाटर्स स्थित हैं। नगर निगम जोन 3 कमिश्नरी क्षेत्र में सरकारी आवास की संख्या 1345 है, जिसमें लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, उद्योग भवन के अलावा शंकर नगर क्षेत्र स्थित विधाधक और मंत्रियों के बंगले तक शामिल हैं।

मंत्री, विधायक और...

डिमांड नोट भेज रहे है, संबंधित को करना होगा भुगतान शहर के सरकारी बंगलों पर यूजर चार्ज, सामान्य जलकर सहित समेकित कर की बकाया राशि का भुगतान करने राजस्व विभाग के तरफ से नगर निगम द्वारा डिमांड नोट भेज रहे हैं। उस अवधि में जिनके नाम बंगला आवंटित रहा उनसे बकाया कर की वसूली नियम अनुसार होगी। **विश्दीप आयुक्त**, नगर निगम रायपुर।

पहले दिन प्रदेश...

उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने बिलासपुर जिले के सेंदरी धान खरीदी केंद्र में खरीदी की शुरुआत की, वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के महाराजपुर धान खरीदी केंद्र में धान खरीदी का शुभारंभ किया। इसी प्रकार, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सूरजपुर जिले के चंद्रपुर धान खरीदी केंद्र में विधि-विधान के साथ खरीदी प्रारंभ की और किसानों का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर जिले के डौरा-कोचली धान खरीदी केंद्र में पहुँचकर किसानों का आत्मीय स्वागत करते हुए खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जिले के पल्ली धान खरीदी केंद्र में पूजा-अर्चना कर खरीदी अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। इसी क्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कांकेर जिले के मालगांव धान खरीदी केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन और किसानों द्वारा लाए गए धान की पारंपरिक रीति से पूजा-अर्चना कर खरीदी का आरंभ किया। कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने महासमुंद जिले के झालखमरिया धान खरीदी केंद्र में धान खरीदी की औपचारिक शुरुआत की।

सोसाइटियों में पूजा...

कहीं पूजा पाठ के बाद समिति की साफ सफाई की गई। कहीं किसानों का इंतजार होता रहा।

अंबिकापुर नमनाकला समिति में हुई बोहनी-धान खरीदी के पहले दिन समर्थन मूल्य पर खरीदी की शुरुआत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नमनाकला से हुई। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र पहुंचकर किसान अनंत मंडल को फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और किसानों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ किया। किसान अनंत मंडल के धान का रकबा 78 क्विंटल है और उन्होंने पहले दिन 20 क्विंटल का टोकन कटवाया। गौरतलब है कि जिले में इस वर्ष 55,937 पंजीकृत किसान और लगभग 58,219 हेक्टेयर में धान का रकबा है। इसके लिए 54 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए गए हैं।**कहीं ऑपरेटर तो कहीं बारदाना का होता रहा इंतजार- अकलतरा क्षेत्र के तिलाई से हुई धान खरीदी की बोहनी**-जांजगीर-चांपा। सहकारी समिति के कर्मचारियों की हड़ताल के बीच समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 15 नवंबर को जिले के उपार्जन केंद्र खुल गए। हालांकि आधी अधूरी तैयारी के बीच सरकारी अमला केंद्र खोलकर बैठा रहा, और जरूरी व्यवस्था करने में जुटा रहा। कहीं बारदाना तो कहीं कम्प्यूटर ऑपरेटर का इंतजार होता रहा। पहले दिन ही अकलतरा क्षेत्र के तिलाई केंद्र से धान खरीदी की बोहनी भी हो गई। सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों की हड़ताल के चलते इस बार तय तिथि 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने को लेकर संशय की स्थिति बनी रही। समिति प्रबंधक और कम्प्यूटर ऑपरेटर की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने केंद्रों में व्यवस्था बनाते हुए कृषि विभाग के साथ ही पंचायत विभाग और अन्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष के साथ मिलकर इन कर्मचारियों को धान खरीदी के निर्देश दिए गए। शनिवार 15 नवंबर को सभी कर्मचारी अपने नियत उपार्जन केंद्रों में पहुंच गए। जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 1 लाख 23 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है।

रायपुर का यह...

मशीन एवं धान रखने के लिए बनाए गए चबूतरों को भी पेंट किया गया था। यहां बैठे कुछ लोगों ने बताया कि गांव की सरपंच सहित कुछ लोग सुबह पूजा करने पहुंचे थे, लेकिन सभी पूजा करने के बाद चले गए। **जान लीजिए जांजगीर-चांपा के हाल** -पहले दिन ही अकलतरा क्षेत्र के तिलाई केंद्र से धान खरीदी की बोहनी भी हो गई। समिति प्रबंधक और कम्प्यूटर ऑपरेटर की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने केंद्रों में व्यवस्था बनाते हुए कृषि विभाग के साथ ही पंचायत विभाग और अन्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई। सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष के साथ मिलकर इन कर्मचारियों को धान खरीदी के निर्देश दिए गए। कर्मचारी अपने नियत उपार्जन केंद्रों में पहुंच गए। जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 1 लाख 23 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। वहीं धान खरीदी के लिए 129 उपार्जन केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों में दो दिन पहले तक कोई तैयारी नहीं हो सकी थी। ऐसे में सेवा सहकारी समिति के अध्यक्षों के सहयोग से केंद्र प्रभारी के रूप में ड्यूटी लगने वाले अधिकारी- कर्मचारी व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे रहे।

राजनांदगांव में बोहनी...

और खरीदी प्रभारी नियुक्त कर दिया था। आज सुबह से ही शहर के ढाबा और शहर के समीप गठुला धान खरीदी केन्द्रों में अपने टोकन के अनुसार किसान पहुंचे। जहां उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा किसानों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया ।

दुर्ग जिले के 35...

की वैकल्पिक व्यवस्था के चलते 35 समितियों में 116 किसानों से 6678 क्विंटल धान खरीदी जा सकी। **उपार्जन केंद्र उतई**-इस उपार्जन केंद्र में केवल एक किसान धान बेचने पहुंचा। उमरपोटी निवासी नीराबाई के खाते से उनके परिजन ट्रैक्टर में धान लेकर आए थे। 177 बोरा धान इस किसान ने बेचा। यहां प्रशासन ने खाद्य और सहकारिता विभाग से एक-एक महिला कर्मचारियों को भेजा है। विपणन संघ से दो आपरेटर भी यहां थे। हाल यह था कि ये लोग अनुभवी नहीं होने की वजह से पोर्टल में धान खरीदी का इंट्री करने मशक्कत करते दिखे।**उपार्जन केंद्र बोरीगारका**-इस उपार्जन केंद्र में भी एक किसान का धान खरीदी की जा सकी। यहां पाउवारा के किसान विजय डोमन साहू मिले। यहां 146 बोरा धान ट्रैक्टर में लेकर आए थे। तौल और नमी की जांच के बाद इस किसान की धान खरीदी की गई। विपणन संघ से एक आपरेटर की व्यवस्था की गई है। लोकल महिलाओं की मदद से धान का स्टेक तैयार किया गया। वैकल्पिक व्यवस्था के बीच,समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू।

पैसा बचाने के...

विधा के डाक्टरों की नियुक्ति के लिए अस्पताल को मोटी फीस देनी पड़ती है, जबकि कामचलाऊ, झोलाछाप या आयुर्वेद के चिकित्सा अधिकारी कम खर्च में मिल जाते हैं। शहर में कार्रवाई के शिकार हुए ज्यादातर अस्पताल इन्हीं डाक्टरों के भरोसे अपना काम चला रहे थे। कुछ अस्पतालों ने रजिस्टर में जितने मरीजों को भर्ती दिखाया गया था, वार्डों में उतने थे नहीं, यानी ओपीडी के मरीजों को भी आईपीडी का बताकर इलाज किया गया था। मिली शिकायतों के आधार पर विभागीय टीम ने अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली सुविधा का निरीक्षण किया, जिसमें कमियां मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। 00 **बलौदाबाजार के दो अस्पताल निलंबित** : अस्पतालों की गुणवत्ता, सुरक्षा और नियमानुसार उपचार सुनिश्चित करने में अनियमितता पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए बलौदाबाजार जिले में संचालित आरोग्यम हॉस्पिटल सिमगा एवं ओमकार हॉस्पिटल बलौदाबाजार की जांच कराई गई, जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के आरोप में 3-3 माह के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके पूर्व महासमुंद जिले के महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल ग्राम जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल ग्राम खरखरी सरायपाली को योजना से बाहर किया गया था। धमतरी में नंदा हास्पिटल पर मरीज से पैसे लेने की वजह से गाज गिरी थी। 00 रायपुर के बड़े अस्पताल भी निशाने पर: आयुष्मान योजना की गड़बड़ी में छोटे ही नहीं, बड़े हास्पिटल भी शामिल हैं। शहर के दो बड़े प्रतिष्ठित अस्पतालों के खिलाफ भी हितग्राहियों से अतिरिक्त राशि लेने की शिकायत है। स्थानीय जांच टीम द्वारा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की गई थी। राज्य स्तर पर मामला विचाराधीन है। आठ महीने पहले इसी तरह की गड़बड़ी के मामले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर के 23 अस्पतालों को योजना से निलंबित किया गया था। इनमें से कुछ अस्पताल सजा भुगतकर लौट चुके हैं, वहीं कुछ अस्पतालों की निलंबन अवधि पूरी नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन...

को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर पूरे राष्ट्र में जनजातीय नायकों के सम्मान की एक ऐतिहासिक परंपरा स्थापित की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के बिरसा मुंडा ने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और स्थानीय शोषकों के खिलाफ एक अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात किया था, जिसे इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना जाता है। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों के पारंपरिक खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) भूमि अधिकारों को छीनने और अत्यधिक लगान थोपने का विरोध प्रारंभ कर दिया था। बिरसा एक महान समाज सुधारक भी थे। उनके प्रयासों से जनजातीय समाज में एकता, स्वाभिमान और आत्म-सम्मान की अद्भुत चेतना जागृत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इसी संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ जनजातीय समुदाय के उत्थान की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

सूरत में गरजे...

में वृद्धि की है और खेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री ने 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने कहा, हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

करणी सेना अध्यक्ष...

पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। **करणी सेना के अध्यक्ष ने पुलिस वालों को कहा डूब मरो** : शेखावत ने अपने फेसबुक लाइव में कहा कि वीरेंद्र तोमर एक व्यापारी था। उसने लोगों को जरूरत पड़ने पर पैसे दिए। उन पैसों को वापस मांगा। वह व्यापारी था इसी तरह लाखों लोग फाइनेंस का काम करते हैं, लेकिन प्रशासन ने नेताओं के दबाव में आकर उस पर निर्दयता से कार्रवाई की। वीरेंद्र तोमर को तपती धूप में नंगे पैर हथकड़ियों में जकड़कर ले जाया गया। उसकी तबीयत बिगड़ी है, वह रोड पर गिर जाता है, तो कुछ पुलिसकर्मी उस पर पैर रखकर खड़े करने की कोशिश करते हैं। ऐसे पुलिसवाले डूब मरो। पुलिस न्याय और अधिकार दिलाने का काम करती है, लेकिन आप लोग एक निहत्थे व्यक्ति पर पिछले कई महीनों से अत्याचार कर रहे हो।

लालू की बेटी...

सहयोगियों में से एक माने जाते हैं। रमीज को तेजस्वी का पुराना मित्र बताया जाता है, जो उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से संबंधित हैं।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक: छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय: सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन: 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी / डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन: 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव सायटिका साईटिका तेल
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। 94060-21769
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- धनवन्तरी मेडिको ट्रेडर्स मसानगंज बिलासपुर 98271 23009 (39169)

आवश्यकता है- रायपुर में घर की कार चलाने के लिए एक अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। केवल ड्राइवर के लिए आवास उपलब्ध सम्पर्क करें- 9579931943 (39172)

आवश्यकता है- एक मिस्त्री एवं एक बाई खाना बनाने के लिए और एक बाई झाड़ू पोछा बर्तन धोने के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद, बिलासपुर (39167)

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800 (6974)

आवश्यकता है- होटल के रेस्टोरेन्ट में कार्य करने हेतु अनुभवी जिम्मेदार कैप्टन की आवश्यकता हैं अनुभव 2 से 4वर्ष वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9977861508 (39170)

आवश्यकता है- सीए आफिस में ड्राइवर कम चपरासी योग्यता 10वी/12वीं, एवं कामर्स ग्रेजुएट ट्रेनी (टैली, GST जानकार) की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सीए दिनेश अग्रवाल, मेन रोड, विद्या नगर बिलासपुर 74409 69033, 7869354218 (39168)

आवश्यकता है- हाऊसकीपिंग स्टाफ-100 (गर्ल, ब्यॉय) नर्स-15, लेडिज गार्ड-10, वार्डब्यॉय-10, ऑफिस ब्यॉय-10 बिलासपुर अम्बिकापुर हेतु रहना फ्री ड्यूटी 8घंटे, वेतन 6000- 10000 पता- डीके एण्ड सन्स प्लेसमेन्ट सर्विसेस शंकर नगर बिलासपुर 8889823100 (39144)

आवश्यकता है- बिलासपुर में रसोईया, माली, ड्राइवर और झाड़ू पोंछा आदि काम करने हेतु महिला या चौकीदार की आवश्यकता है आवास सुविधा उपलब्ध आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 9893506053 (39084)

आवश्यकता है- ऑफिस बॉय एवं सुपरवाइज़र की आवश्यकता। रहने और खाने की सुविधा सहित। सुपरवाइजर को इलेक्ट्रिक तथा बेसिक ज्ञान होना आवश्यक। मेहनती और जिम्मेदार व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें- 6264315731 (39153)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में डिजाईनर (कोरल ड्रा), इलेक्ट्रीशियन, सुपरवाईजर, ड्राईवर एवं माउंटर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी 15, ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 62645 50163, 7024728674 (39165)

आवश्यकता है- प्रिंटिंग युनिट हेतु कोरल ड्रा डिजाइनर 2 पद, ऑफिस ब्वॉय 3 पद एवं बाईन्डर 2 पद की आवश्यकता है वेतन 10000 सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष काम्पलेम्स जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 (39154)

आवश्यकता है- बिलासपुर, मंगला, तेलीपारा, पुराना बस स्टैण्ड, सरकंडा, कोनी, सिरगिट्टी, परसदा, तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 958931 6942 (39164)

आवश्यकता है- यश सुपर बाजार में कम्प्यूटर आपरेटर (लड़का) सेल्स के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी सम्पर्क करें-रिंग रोड नम्बर 2, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9981063081 (39155)

आवश्यकता है- शहर के प्रतिष्ठित रेस्टोरेन्ट मौसा जी रेस्टोरेंट के लिए 15-20 हाउस कीपिंग स्टाफ आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8085757457 (39148)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का सभी काम करने हेतु परिवार वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर काम कर सके। दोनों मिलाकर तनख्वाह 13000 रूपए सम्पर्क करें- 9754293974 (39150)

आवश्यकता है- तिफरा के कंसट्रक्शन एण्ड प्रॉपर्टी कम्पनी के लिए 1 मेल साइड इंचार्ज, 1 फील्ड इंचार्ज एवं 1 फीमेल आफिस असिस्टेंट चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 79871 66040 (39158)

आवश्यकता है- रेडीमेड सूट, साड़ी शोरूम एवं जूता दुकान में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, फोल्डर चाहिए वेतन योग्यतानुसार पता- प्रकाश डिजाइनर स्टूडियो श्रीराम मार्केट, 8319134866 फैमिली शू मॉल देवकीनन्दन चौक बिलासपुर 8839838695 (39157)

आवश्यकता है- बिलासपुर में घर के लिए एक शाकाहारी खाना बनाने वाली, एक चौकीदार, एक ड्राइवर चाहिए फैमिली वालो को प्राथमिकता, आवास फ्री, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बृजेश अग्रवाल 7999360970, 9755096371 (39162)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है रिपेरिंग साईड कार्य वायरिंग फिटिंग हेतु। रहने की सुविधा सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चंद्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (39163)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सरस्वती एजेन्सीज 53, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 9827177772 (39161)

आवश्यकता है- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर में लोकल में छोटा हाथी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। टाइम सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सैलरी 12000 सम्पर्क करें- 97528 55538 (39142)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के की आवश्यकता हैं जिसे tally एवं busy software में कार्य का अनुभव हो वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अनिश ऑटोमोबाइल्स लिंक रोड बिलासपुर 9399512699 (39141)

आवश्यकता है- दवाई दुकान होलसेल रिटेल में कार्य करने लड़के, लड़कियां, ड्राईवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, माल लाने लेजाने हेतु चाहिए (कार्य समय सुबह 9:30 से रात 8:30 तक) बायोडाटा वाट्सअप करें- 78697 97088 (39107)

आवश्यकता है- मैनेजर 1पद (25वर्ष से ऊपर) झाड़ू पोछा करने हेतु कर्मचारी चाहिए वेतन 10000 भोजन, आवास ग्रामीणों को निःशुल्क ओरिजनल आईडी सहित सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 98279 40898, 9406390898 (39105)

आवश्यकता है- रियल स्टेट में ऑफिस कार्य करने हेतु शिक्षित अनुशासित स्मार्ट युवक, युवती चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर सीपत रोड एवं आसमां सिटी के पास उस्लापुर बिलासपुर 8319734999 (39149)

आवश्यकता है- पेन्ट, नल फिटिंग दुकान में कार्य करने के लिए युवक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शिव शक्ति इन्टरप्राइजेज यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 79873 94386, 9340265565 (39143)

आवश्यकता है- सलोन में सफाई हेतु लड़का/लड़की चाहिए समय सुबह 11 से रात 8:30 तक वेतन योग्यता अनुसार पता Bellazio The Family Salon, H2/75 नर्मदा नगर बिलासपुर 88893 33941, 7987461602 (39138)

आवश्यकता है- छोटे बच्चे की देखभाल के लिए महिला या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी.पुरी, मित्र विहार नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड बिलासपुर 93409 69592, 7828803577 (39145)

आवश्यकता है- हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य करने हेतु लेबर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा बिलासपुर 7415515151 (39146)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग विभाग हेतु मैन पावर सप्लाई कम्पनी चाहिए हमारे संस्थान में स्वच्छता, रखरखाव कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय हाउस कीपिंग सेवा प्रदाताओ से प्रस्ताव आमंत्रित है सम्पर्क करें- 9826300970 (39133)

आवश्यकता है- एलआईसी के साथ बनाये शानदार कैरियर एजेन्ट बने 4 से 6 घण्टे फील्ड कार्य कर 50000 से अधिक कमीशन पायें। फ्री ट्रेनिंग, विस्तृत बेनेफिट पैकेज, फुल टाइम पार्ट टाइम कैरियर पुरस्कार, सम्मान शिक्षित बेरोजगार युवक, युवती, गृहिणी, कृषक बिजनेस मेन महिला बीमा सखी बनने सम्पर्क करें- अजय कुमार सिंह विकास अधिकारी 98933 11075 (39137)

आवश्यकता है- स्वरोजगारी बनें बहुराष्ट्रीय कम्पनी के लिये पार्ट/ फुल टाइम घर से काम का एक अवसर कोई निवेश नही न्यूनतम दो घण्टे, कम्पनी के विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग, मार्गदर्शन। सम्पर्क करें- 8839008253 (39135)

आवश्यकता है-बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39022)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 13000 सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000 कंप्यूटर ऑपरेटर 3, वेतन योग्यता अनुसार (आवास फ्री) सम्पर्क करें- Alert Sgs Private Limited, FF-6 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 77470 00019, 7747000016, 7746000016 (348)

आवश्यकता है- घरेलु कार्य हेतु महिला/युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता के अनुसार मो. 9754373672 (4035)

आवश्यकता है-अम्मा जी ट्रेडर्स बिलासपुर में सेल्स मार्केटिंग कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है सैलरी+ कमीशन+ पेट्रोल सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 6266732985, 9685138652 (346)

आवश्यकता है- ट्रक लोकल चलाने के लिये ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें 9109191899, 9425213622 (6470)

आवश्यकता है- ऑटोमोटिव बैटरी व टायर सेल्स हेतु सेल्समेन (लड़कों), टेलीकॉलर/ एकाउंटेंट (लड़की), ड्राइवर, बैटरी टेक्निशियन, वेतन- योग्यतानुसार (12000- 20000) +इन्सेंटिव, संपर्कः- Singhania Enterprises, श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7049016518, 7974811410 (367)

भवन निर्माण

भवन निर्माण- सिविल निर्माण परामर्श, पर्यवेक्षण, बिलिंग, अनुमान, परीक्षण एवं बिलिंग ऑडिट कार्य के लिए 28 वर्षों के अनुभव वाले सिविल इंजीनियर से सम्पर्क करें- 7587483116, 8777 73579 Email- ssm 2502 bridge@gmail (39171)

बेचना

बेचना है- बिलासपुर गोल्डन पार्क छतौना रोड में हाईकोर्ट से लगा हुआ TNC Rera रजिस्टर्ड कालोनी में 35×52= 1820 वर्गफुट जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9109818177 (39166)

बेचना है- बिलासपुर प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2 BHK स्वतंत्र मकान बेचना है (फाइनेंस सुविधा उपलब्ध) संपर्क करें 6265041277, 84619 97770 (364)

बेचना है- वार्ड16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली 1 डिसमिल में बना 2 मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन, अटैच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ 24घंटे पानी कीमत 15.51लाख सम्पर्क करे- 9753505350, 95222 48786 (39136)

बेचना है- बिलासपुर न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में डबल स्टोरी 3BHK मकान लाल ईट से बना एवं 2400 वर्गफिट का tncp प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 7987166040 (39159)

बेचना है- न्यू पिकनिक स्पॉट खोन्धरा, शांत, सुरक्षित, सबसे कम दाम शानदार भवन शादी, पार्टी पिकनिक स्कूल टूर बाटनिकल गार्डन हेतु सम्पर्क करें- सार्थक फार्म स्टे- रमेश 7587298733 (39139)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- जमीन जिले के भविष्य विकसित सीपत में निवेश करें आवासीय डायवर्टेड प्लाट, मकान, दुकान, कृषि भूमि की खरीदी बिक्री हेतु सीधे भूस्वामी से सम्पर्क करें। वाजिब रेट ईमानदारी का सौदा प्रॉपर्टी डीलर भी सम्पर्क करें। फाईनेन्स उपलब्ध राजू एण्ड इमरान प्रापर्टी नवाडीह भूपेन्द्र सम्पर्क- 8349566067 (39140)

बेचना/किराया

बेचना/किराया- मुंगेली नाका बिलासपुर में सर्किट हाऊस के सामने प्रथम तल का 2BHK फ्लैट स्टूडेंट्स एवं बैक कर्मचारी फैमिली को किराए से देना है/ बेचना है सम्पर्क करें- 9302078011, 7354046205 (39160)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया

किराया- V R Plaza लिंक रोड में फर्स्ट फ्लोर पर 240/स्क्वायर फीट सेमी फर्निश्ड ऑफिस किराये से देना है रेंट 8,000 मो. 9893 130580 (39147)

फायनेंस

फायनेंस- महालक्ष्मी फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार की लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन आधारकार्ड पर (50000– 30 लाख तक) (2% ब्याज), (30% छूट) मो. 8349203168. (368)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645 9131139179 (मैरिज ब्यूरो क्षमा)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वर चाहिए

वर चाहिए- 62/5,4"/M.A, B.Ed ,Govt.Teacher रिटायर्ड -65000/- पेंसन विडो डिवोर्सी घर जमाई स्वीकार - 7083617207 (1223)

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/1969
म.प्र. राजपूत समाज
8वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 14 दिसंबर 2025
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 07 दिसंबर 2025
पंजीयन शुल्क 600 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाइन (पंजीयन शुल्क में राजपूत दर्पण पत्रिका का वैवाहिक विशेषांक शामिल है।)
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com
मो. 91790 81582, 98274 47630, 98260 15148, 94250 04866, 98268 15124

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
आप सभी जानते हैं कि एच.आई.वी. (H.I.V.) रोग का कोई ईलाज नहीं है क्योंकि यह वायरस रोग है किसी भी प्रकार के वायरस को मारने की दवा आज तक नहीं बना है इसलिए कि वायरस की (बॉडी) शरीर होता ही नहीं इसलिए किसी भी प्रकार की दवा इसे मार नहीं सकता इसलिए यह जानलेवा है यदि बैक्टिरिया (जीवाणु) जन्य रोग है तभी यह ऐन्टिबायोटिक दवा से मारा जा सकता है अतः यह वायरस की बीमारी जिस किसी के शरीर में है उसका शरीर ही इसे नष्ट कर सकता है इसे ही इम्यूनोथेरिपी कहते हैं वह केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही संभव है कई लोग रोग मुक्त हो चुके हैं। क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत है। तुरंत खून की जाँच करायें।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कम कीमत में रॉयल्स में शामिल जडेजा, सीएसके में सैमसन की एंट्री, शमी समेत 8 खिलाड़ी ट्रेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन की आईपीएल 2026 रिटेंशन की डेडलाइन से पहले अदला-बदली हो गई है। लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे जडेजा आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वहीं सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे।

सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स में

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन अब अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपए की फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करेंगे। लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक सैमसन ने 177 आईपीएल मैच खेले हैं। सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रैंचाइज होगी। 2013 में आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से उन्होंने दो सीजन 2016 और 2017 को छोड़कर सभी सीजन में आरआर का प्रतिनिधित्व किया है। वह दो सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले।

संजू सैमसन 18 करोड़ में अब चेन्नई के लिए खेलेंगे

14 करोड़ की फीस में खेलेंगे जडेजा

सीएसके के लिए 12 सीजन खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 250 से ज़्यादा मैच खेले हैं। ट्रेड में उनकी फ़ीस 18 करोड़ रुपए से घटकर 14 करोड़ रुपए हो गई है।

लखनऊ के लिए खेलेंगे शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से सफल ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। आईपीएल 2025 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें 10 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह अपनी मौजूदा फीस पर एलएसजी में शामिल हुए।

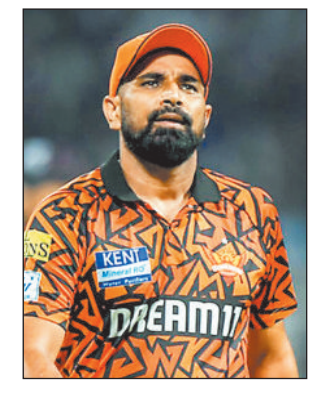

अर्जुन तेंदुलकर एलएसजी टीम में

ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से सफल ट्रांसफर के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व करेंगे। अर्जुन अपनी मौजूदा 30 लाख रुपए की फीस पर एलएसजी में शामिल हुए। 2021 की आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार चुने गए थे, उन्होंने 2023 में फ्रैंचाइज के लिए अपना आईपीएल डेब्यू किया था।

नीतीश राणा दिल्ली में शामिल

बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा अब राजस्थान रॉयल्स से हुए ट्रेड के बाद दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह अपनी मौजूदा 4.2 करोड़ रुपए की फीस के साथ ही खेलेंगे। राणा ने 100 से ज़्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी।

फरेरा की राजस्थान में वापसी

ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से हुए सफल ट्रेड के बाद अपनी पहली फ्रैंचाइज, राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे। ट्रांसफर समझौते के अनुसार उनकी फीस 75 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए कर दी गई है।

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी

लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से सफल ट्रेड के बाद अपनी पूर्व फ्रैंचाइज मुंबई इंडियंस (एमआई) में वापसी करेंगे। वह 30 लाख रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई में शामिल हुए। मार्कंडेय ने अपना आईपीएल करियर एमआई के साथ शुरू किया था और 2018, 2019 और 2022 में इस फ्रेंचाइज का प्रतिनिधित्व किया था।

सैम करन राजस्थान में शामिल

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपनी मौजूदा लीग फीस 2.4 करोड़ रुपए पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल हुए. 27 साल के इस खिलाड़ी ने 64 आईपीएल मैच खेले हैं और राजस्थान रॉयल्स उनकी तीसरी फ्रैंचाइज होगी. इससे पहले वे 2019, 2023 और 2024 में पंजाब किंग्स और अन्य सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

एएफसी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में विलियम्स

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स को 18 नवंबर को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के ग्रुप सी मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिकता हासिल की है। भारतीय टीम छह नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। टीम शनिवार को ढाका के लिए रवाना हो गई। फॉरवर्ड विलियम्स टीम के साथ बांग्लादेश गये है लेकिन मैच के दिन टीम में उनका शामिल होना फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र और उसके बाद फीफा और एएफसी से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स में हारकर बाहर

कुमामोतो। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन का 475,000 डॉलर इनामी कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोतो से

तीन गेम में हार के साथ खत्म हो गया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन छठी वरीयता प्राप्त निशिमोतो से 77 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सेन ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था लेकिन जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

रावलपिंडी। बाबर आजम के दो साल से अधिक समय में लगाए गए पहले अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। बाबर के 119 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में दो विकेट पर 289 रन बनाकर जीत हासिल की। श्रीलंका ने इससे पहले आठ विकेट पर 288 रन बनाए थे। उसके शीर्ष सात बल्लेबाजों में से छह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। बाबर ने खेले गए मैच से पहले सभी प्रारुपों में 83 पारियों में कोई अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया था।

कोलकाता टेस्ट दूसरा दिन: भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रखा पलड़ा भारी

ईडन गार्डंस में विकेटों की पतझड़ एक दिन में 16 बल्लेबाज आउट

भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर सिमटी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे, जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौती पूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत को पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है।

जडेजा की बलखाती गेंदों का चला जादू

जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे।

हार्मर ने 30 रन देकर चार विकेट चटकाए

हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया।

ऑलराउंडरों के विशिष्ट क्लब में जडेजा

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4 हजार रन पूरे किए और खेल के सबसे लंबे प्रारुप में 4 हजार टेस्ट रन और कम से कम 300 विकेट लेने वाले ऑलराउंडरों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया। जडेजा ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

पंत ने छक्के लगाने में सहवाग को पछाड़ा

रैंक	खिलाड़ी	छक्के	टेस्ट
1	ऋषभ पंत	92	48
2	वीरेंद्र सहवाग	90	103
3	रोहित शर्मा	88	67
4	रवींद्र जडेजा	80	88
5	महेंद्र सिंह धोनी	78	90
6	सचिन तेंदुलकर	69	200
7	कपिल देव	61	131
8	सौरव गांगुली	57	113
9	शुभमन गिल	46	40
10	यशस्वी जायसवाल	43	27

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159/10

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जयसवाल बो यानसन	12	27	3	0
राहुल का मारक्रम बो महाराज	39	119	4	1
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	29	82	2	1
गिल रिटायर्ड हर्ट	04	03	1	0
पंत का वेरेने बो बॉश	27	24	2	2
जडेजा पगबाधा हार्मर	27	45	3	0
जुरेल का एवं बो हार्मर	14	14	3	0
अक्षर का यानसन बो हार्मर	16	45	2	0
यादव का वेरेने बो यानसन	01	08	0	0
सिराज बो यानसन	01	09	0	0
बुमराह नाबाद	01	03	0	0
अतिरिक्त 18, कुल योग : 62.2 ओवर में 189/10 रन				
गेंदबाजी: यानसन 15-4-35-3, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 16-1-66-1, बॉश 11-4-32-1, हार्मर 15.2-4-30-4				
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
रिकेलटन पगबाधा कुलदीप	11	23	1	0
मारक्रम का जुरेल बो जडेजा	04	23	0	0
मुल्डर का पंत बो जडेजा	11	30	0	1
बावुमा खेल रहे हैं	29	78	3	0
जॉर्जी का जुरेल बो जडेजा	02	02	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा	05	18	0	0
फाइल वेरेने बो अक्षर	09	16	1	0
यानसन का राहुल बो कुलदीप	13	16	0	1
कोर्बिन बॉश खेल रहे हैं	01	04	0	0
अतिरिक्त: 08, कुल योग: 35 ओवर में 93/7 रन				
गेंदबाजी: बुमराह 6-1-14-0, अक्षर 11-0-30-1, कुलदीप 5-1-12-1, जडेजा 13-3-29-4				

विश्व मुक्केबाजी फाइनल्स आज से, दमदार प्रदर्शन पर भारत की निगाह

ग्रेटर नोएडा। भारतीय मुक्केबाज जब रविवार से शुरू हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य सत्र का शानदार अंत करने के साथ ही महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करना भी होगा। मुक्केबाजी के संचालन का कार्य जब से वर्ल्ड बॉक्सिंग ने संभाला है तब से इस साल के शुरू में विश्व कप की शुरुआत की गई और अब उसका फाइनल्स होगा। मुक्केबाज सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं, जो वरीयता निर्धारण में भूमिका निभाते हैं। अगले वर्ष एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं, इसलिए ये अंक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। प्रारुप के अनुसार इस वर्ष के शुरू में आयोजित किए गए तीन विश्व कप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाजों के साथ फाइनल्स में जगह बनाई है।

विश्व चैंपियन निकहत जरीन पर होगी नजरें

भारत मेजबान होने के कारण पुरुष और महिला दोनों के सभी भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) महिला टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। तेलंगाना की इस मुक्केबाज ने इस साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपनी अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और परवीन हुड्डा (60 किग्रा) राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं और वह अपने खेल से प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

फुटबॉल

विश्व कप में क्रोएशिया की जगह पक्की, फरो आइलैंड्स को हराया

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रोएशिया ने फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह पक्की कर ली, जबकि नीदरलैंड पोलैंड के साथ ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन के करीब पहुंच गया। क्रोएशिया को विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फरो आइलैंड्स की तरफ से डेविड टूरी ने गोल किया। क्रोएशिया ने हालांकि जल्द ही वापसी की। उसके लिए 23वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल ने बराबरी का गोल दागा। दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए पेटार मूसा ने जोसिप स्टानिसिक की मदद से हाफटाइम के बाद क्रोएशिया को 2-1 से आगे कर दिया। उसकी तरफ से तीसरा गोल निकोला व्लासिक ने किया। नीदरलैंड ने वारसॉ में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पोलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप जी में सीधे प्रवेश की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया। नीदरलैंड अभी अपने ग्रुप में शीर्ष पर है। इस बीच ग्रुप ए में निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 2-0 की जीत में शीर्ष दो में जगह पक्की कर ली है।

एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में अलियासिमे की एंट्री

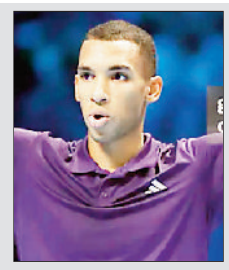

तूरिन। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने दो बार के चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने 6-4, 7-6 (4) से जीत हासिल की और ब्योर्न बोर्ग ग्रुप से यानिक सिनर के साथ अंतिम चार में प्रवेश किया। इससे पहले सिनर ने बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (3) से हराकर राउंड-रॉबिन में अपने सभी मैच जीते। सिनर का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर से होगा। ऑगर अलियासिमे एक अन्य सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना करेंगे।

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी लॉन्च

बैंकॉक। भारत में महिला विश्व कप की शानदार सफलता के बाद आईसीसी ने 'दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और विस्तार देने' के लिए आठ टीमों वाला एक नया वैश्विक टूर्नामेंट शुरू किया। बैंकॉक में 20 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले इसके शुरुआती सत्र को आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी कहा जाएगा और यह उभरते हुए क्रिकेट देशों को बड़े मंच का अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू किए गए एक नए त्रि-स्तरीय विकास प्रणाली का हिस्सा होगा। इस प्रतियोगिता में

थाईलैंड, नीदरलैंड, पापुआ न्यू गिनी, संयुक्त अरब अमीरात, स्कॉटलैंड, नामीबिया, तंजानिया और युगांडा की टीमें हिस्सा लेंगी। हाल ही में संपन्न हुए महिला वनडे विश्व कप ने महिला क्रिकेट में एक नया मानदंड स्थापित किया, जिसमें टूर्नामेंट ने देश भर में 50 करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुंच बनाई और दुनिया भर में दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आईसीसी ने कहा, 'भारत और (सह-मेजबान) श्रीलंका में लगभग तीन लाख प्रशंसकों ने मैचों को (स्टेडियम में) देखा और इस आयोजन का समापन भारत द्वारा महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनने के साथ हुआ।

एमसीए ने स्मृति को किया पुरस्कृत

भेंट किए 50 लाख

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाए थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी। मंधाना ने कहा, 'मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था। मैं इस सम्मान के लिए एमसीए अध्यक्ष रोहित पवार और सभी पदाधिकारियों का आभारी हूं।' भारतीय उपकप्तान ने कहा, 'एमसीए महिला क्रिकेटरों के लिए असाधारण काम कर रहा है और हाल ही में शुरू हुई महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग और उसके बाद सीनियर महिला टी 20 ट्रॉफी में राज्य टीम की जीत इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत

पाक से हाथ न मिलाने की नीति पर कायम रहेगा भारत

एजेंसी ▶▶| दोहा

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए टीम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी।

सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। उस टूर्नामेंट में दूसरे विकेटकीपर और वर्तमान टूर्नामेंट में भारत ए के कप्तान जितेश से भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने सीनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान खान से न तो टॉस के समय और न ही मैच के बाद हाथ मिलाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उबैद शाह से होगी, जो सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नसीम शाह के छोटे भाई हैं। भारतीय टीम में अधिकतर वह खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम में जितेश और रमनदीप सिंह ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान ने नौ वनडे खेले हैं।

सूर्यवंशी पर होगी निगाहें

सबका ध्यान हालांकि 14 साल के सूर्यवंशी पर होगा, जिन्होंने आईपीएल में शतक लगाकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया था। उन्होंने पिछले मैच में यूएई के खिलाफ 52 गेंदों पर 15 छक्कों की मदद से 144 रन की अविश्वसनीय पारी खेली और सीनियर अंतरराष्ट्रीय (ए टीम) क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बल्लेबाज बन गए। लेकिन भारत ए के मुख्य कोच सुनील जोशी अपने बल्लेबाजों को यह याद दिलाना चाहेंगे कि पाकिस्तान का आक्रमण यूएई की तुलना में बेहतर होगा।

पलक झपकते छूमंतर, 896 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

भारत की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब वंदे भारत एक्सप्रेस के नाम है। 180 प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार वाली वंदे भारत ट्रेन वास्तव में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पटरी पर दौड़ रही है। वंदे भारत का क्रेज भारत में किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज जिस ट्रेन की बात हम करने जा रहे हैं, उसकी रफ्तार गोली से भी तेज है। इतनी तेज की पलक झपकते ही वो आंखों के सामने ओझल हो जाती है। दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब इसके नाम पर है।

कुछ जोखिम भी

रफ्तार तो ठीक, लेकिन इस ट्रेन से जुड़े कुछ जोखिम भी है। चाइना रेलवे एकेडमी के चीफ इंजीनियर झाओ होंगवेई ने के मुताबिक अगर मोटर वाइडिंग के बीच शॉर्ट सर्किट होता है तो चुंबकीय क्षेत्र के कारण मोटर रुक नहीं पाता, जो ट्रेन को खतरे में डाल सकता है।

दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन

ट्रेनों की रफ्तार के मामले में चीन ने एक बार फिर से बाजी मार ली। चीन ने 'सीआर450' ट्रेन का सफल ट्रायल किया है। ट्रायल रन के साथ ही इसके नाम दुनिया की सबसे तेज रफ्तार ट्रेन का खिताब हो गया। चीन की 'सीआर450' ट्रेन दुनिया की सबसे हाई स्पीड ट्रेन है। सबसे तेज हाई-स्पीड ट्रेन की रफ्तार 896 किमी/घंटा की है।

एशिया में मनाए जाने वाले विविध संस्कृतियों व भाषाओं के अनोखे रिवाज, जिनमें दिखती है प्राचीन सभ्यताओं की झलक

एशिया दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा आबादी वाला महाद्वीप है। यहां आपको विविध संस्कृतियां, भाषाएं, धर्म, सभ्यताएं देखने को मिल जाएंगी। जाहिर सी बात है कि इतने विशाल महाद्वीप में कुछ विचित्र रिवाज भी छिपे होंगे ही। आज हम ऐसी ही परंपराओं के बारे में बात करने वाले हैं, जो बेहद अजीब और हैरान करने वाली हैं। इन सभी रिवाजों के पीछे कोई न कोई सांस्कृतिक महत्व जरूर होता है।

शोगात्सु महोत्सव

नए साल पर जापान में एक विचित्र त्योहार मनाया जाता है, जिसे शोगात्सु महोत्सव कहते हैं। इसके दौरान लजीज पकवान बनाए जाते हैं और कई दिनों तक जश्न मनाया जाता है। हालांकि, इस पर्व की अजीब परंपरा यह है कि इस दिन जापानी लोग मौत को महसूस करने की कोशिश करते हैं। वे मरने की मानसिक तैयारी करते हैं और ताबूत में लेटने का अनुभव लेते हैं। साथ ही वे मौत से जुड़े पाठ भी पढ़ते हैं।

शरीर को छेदकर मनाया जाता है थाईपुसम त्यौहार

मलेशिया में मनाया जाने वाला थाईपुसम त्योहार आपको हैरत में डाल देगा। इस दिन लोग अपने शरीर को भालों, सुई और अन्य धातु की वस्तुओं से छेदते हैं। ऐसा करने का मकसद अपने गुनाहों की सजा भुगतना, भगवान को खुश करना और उनकी कृपा पाना है। थाईपुसम वाले दिन एक जुलुस भी निकाला जाता है, जो कुआलालंपुर में स्थित गुफाओं तक जाता है।

धरती की सबसे रहस्यमयी जगह जिसे आज तक किसी ने नहीं देखा

वॉशिंगटन। धरती पर कई ऐसी रहस्यमयी जगहे हैं, जिनके बारे में बेहद कम लोग ही जानते हैं। इन रहस्यों में कैलाश पर्वत भी शामिल है। कैलाश पर्वत के रहस्यों के बारे में वैज्ञानिकों को भी नहीं पता है। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत का काफी महत्व है। माना जाता है कि कैलाश पर्वत भगवान शिव का निवास स्थान है। बताया जाता है कि कैलाश पर्वत के अंदर एक रहस्यमयी दुनिया है, जिसे आज त किसी इंसान ने नहीं देखा है।

कैलाश पर क्यों नहीं चढ़ पाता कोई?

कैलाश पर्वत पर किसी व्यक्ति के नहीं चढ़ पाने के पीछे कई कहानियां प्रसिद्ध हैं। कुछ लोग मानते हैं कि अभी भी वहां भगवान शिव, माता पार्वती के साथ रहते हैं। इसलिए, किसी भी जीवित इंसान का पर्वत की चोटी पर पहुंचना नामुमकिन है। माना जाता है कि वहीं इंसान कैलाश पर्वत पर जा सकता है, जिसने अपनी जिंदगी में कभी कोई पाप न किया हो।

चढ़ने पर है रोक

फिलहाल कैलाश पर्वत पर किसी के भी चढ़ने पर रोक है, क्योंकि भारत और तिब्बत समेत दुनियाभर के लोगों का मानना है कि यह एक पवित्र स्थान है और पर्वत पर किसी को भी चढ़ने नहीं देना चाहिए। कैलाश पर्वत पर आखिरी बार साल 2001 में पर्वतारोहियों की एक टीम ने चढ़ने की कोशिश की थी, लेकिन फिर वो चढ़ाई पूरी किए बिना ही वापस लौट आए थे।

कोई नहीं चढ़ पाया है कैलाश पर्वत पर

इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस पर्वत पर आज तक कोई चढ़ ही नहीं सका है। इसपर चढ़ने की बहुत लोगों ने कोशिश की, लेकिन कोई चढ़ नहीं पाया। दुनिया के कई पर्वतारोही कैलाश पर्वत पर चढ़ने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। सबसे हैरानी की बात यह है कि यह पर्वत माउंट एवरेस्ट से दो हजार मीटर छोटा है। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8848 मीटर है, जबकि कैलाश पर्वत करीब 6638 मीटर ऊंचा है। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर हजारों लोग चढ़ चुके हैं, लेकिन कैलशा पर्वत पर कोई नहीं चढ़ पाया है।

रेडियोएक्टिव क्षेत्र है

कैलाश पर्वत पर किसी के न चढ़ पाने के पीछे कई वजहें बताई जाती हैं। कहा जाता है कि पर्वत पर थोड़ा सा ऊपर चढ़ते ही व्यक्ति दिशाहीन हो जाता है। वह समझ में ही नहीं पाता है कि जाना कहां है और चूंकि पर्वत पर बिल्कुल खड़ी चढ़ाई है। ऐसे में बिना दिशा का ज्ञान हुए चढ़ाई करना मौत के मुंह में जाने के समान है। कई साल पहले एक पर्वतारोही ने इस पर्वत पर चढ़ने की कोशिश की थी, लेकिन कहा जाता है कि थोड़ा सा ऊपर जाते ही उसके शरीर के बाल और नाखून तेजी से बढ़ने लगे और उसे काफी घबराहट होने लगी, जिसके बाद वह नीचे आ गया। कैलाश पर्वत के बारे में कहा जाता है कि वह एक रेडियोएक्टिव क्षेत्र भी है।

कनाडा के खिलाड़ी ने हाथों से ही खींची 1.19 लाख किलो की नाव

नई दिल्ली। कनाडा के वेस्ली "मूस" डेरविंस्की ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो सुनकर ही आपको अनिश्वसनीय लगेगा। उन्होंने एक प्रतियोगिता में केवल अपने हाथों से लगभग 119 टन (1.19 लाख किलोग्राम) वजन की नाव को यात्रियों समेत ही 65 फीट तक खींचा। ऐसा करके वेस्ली ने अपना नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया है। कमाल की बात ये है कि वेस्ली का खुद का वजन केवल 145 किलोग्राम है और उनकी लंबाई 6 फुट 3 इंच है। वेस्ली मूस ने ये रिकॉर्ड अमेरिका के ओहियो राज्य के सैंडस्की शहर में हुई स्ट्रॉन्गमैन चैम्पियंस लीग में बनाया। ये प्रतियोगिता गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई और इसमें वेस्ली समेत दुनियाभर के 15 प्रतियोगी शामिल हुए। प्रतियोगिता को देखने के लिए किनारे पर सैकड़ों लोग जमा हो गए थे, जिन्होंने हर प्रतियोगी का जोर-शोर से तालियों के साथ स्वागत किया। वेस्ली को जब ये पता चला कि उन्होंने रिकॉर्ड बना दिया है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बताया कि ये 8 हफ्ते में उनकी चौथी प्रतियोगिता थी और उनके पास इसकी तैयारी करने के लिए बिल्कुल समय नहीं था। उन्होंने बस अपनी पूरी ताकत के साथ रस्सी को खींचा। उन्होंने कहा कि कनाडा के खिलाड़ी अपने हाथों की शानदार पकड़ और ताकत के लिए जाने जाते हैं और वो इस परंपरा को तोड़ना नहीं चाहते थे।

वेस्ली ने 1 मिनट 21 सेकंड में बनाया रिकॉर्ड

वेस्ली मूस ने सबसे आखिर में नाव को खींचा और जैसे ही वो आए दर्शक उत्साहित होकर चिल्लाने लगे। वेस्ली ने धीरे-धीरे अपने हाथों से पूरी दम लगाकर 119 टन की नाव को खींचना शुरू किया तो नाव में बैठे 130 से ज्यादा यात्री भी चीयर करके उनका उत्साह बढ़ाने लगे। जैसे-जैसे वेस्ली ने नाव को आगे खींचा, दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और उन्होंने कुल 1 मिनट 21 सेकंड में इसे 65 फीट तक खींचकर विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

17 साल की उम्र से प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे वेस्ली

वेस्ली पिछले 12 साल से स्ट्रांगमैन प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं और उन्होंने 17 साल की उम्र से ही इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। लेकिन हमेशा से स्ट्रॉन्गमैन चैम्पियंस लीग में शामिल होना उनका सपना था।

500 साल पुराना बरगद

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के नरौरा में दुनिया का सबसे पुराना बरगद का पेड़ मिला है, जो प्रकृति के किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह पेड़ तमाम तरह की प्राकृतिक आपदाओं और बीमारियों के बाद भी 500 साल से जिंदा है।

नागालैंड के इस शहर की दुकानों पर नहीं बैठते दुकानदार फिर भी कोई नहीं करता चोरी

नई दिल्ली। नागालैंड की हसीन वादियों के बीच एक खूबसूरत शहर बसा है, जिसका नाम फुत्सेरो है। यहां के मनमोहक नजारे और प्राकृतिक सुंदरता देखकर आपका दिल खुश हो जाएगा। इस शहर में आपको कुछ ऐसा देखने को मिलेगा, जो भारत में कम ही देखने को मिलता है। जी हां, यहां की दुकानों में सामान तो भरा रहता है, लेकिन उसे बेचने के लिए कोई दुकानदार नहीं बैठता। इसके बावजूद भी कोई चोरी नहीं करता और सभी दुकानें भरोसे पर चलती हैं।**इस तरह चलती हैं ये दुकानें :** इस शहर की दुकानों पर सामान रखा रहता है और उनके दाम लिखे रहते हैं। लोग अपनी जरूरत का सामान चुनकर ईमानदारी से उनके पैसे भरते हैं और उसे लेकर चले जाते हैं। कोई भी ऐसा कोई सामान नहीं उठाता, जिसके उसने पैसे न दिए हों। इतना ही नहीं, दुकानों पर रखे हुए पैसों को भी कोई चोरी नहीं करता। यहां के दुकानदारों का ग्राहकों पर विश्वास और ग्राहकों की ईमानदारी पूरे देश के लिए एक मिसाल बन रही है। इस शहर के नागरिक समाज कार्यकर्ता अंगा वेखोटालु ने बताया कि ये दुकानें करीब 15 साल पहले खुली थीं। उन्होंने कहा, इन दुकानों पर मुख्य खरीदार नागा और गैर-नागा लोग हैं।

महिला किसान चलाती हैं ज्यादातर दुकानें

फुत्सेरो में ऐसी करीब 20 दुकानें हैं, जिन्हें महिला किसान चलाती हैं। इनमें मौसमी फल, सब्जियां, अचार, जैम और जूस बेचे जाते हैं। ये सभी खाद्य पदार्थ स्थानीय खेतों से प्राप्त उपज से बने होते हैं। किसान सुबह से लेकर शाम तक दुकानें खुली रखते हैं और खेतों से घर लौटते समय पैसे उठा लेते हैं। इन दुकानों पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं रहता है और कोई सुरक्षा गार्ड भी नहीं खड़े रहते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com